Postal Regn No./C.G/RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 156 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, सोमवार 09 दिसम्बर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जो व्यक्ति उन्मार्ग पर लगा होता है, उन्हें सन्मार्ग पर लगाना ही धर्म है।

Motivating a perverse to right path is religion.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जान से मारने की धमकी, मुंबई पुलिस को आया मैसेज

मुंबई (आरएनएस)। मुंबई पुलिस को एक मैसेज मिला है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जान से मारने की धमकी दी गई है। मुंबई पुलिस को ये मैसेज व्हाट्सएप पर भेजा गया है। मैसेज मिलते ही पुलिस अलर्ट हो गई है और जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ये मैसेज राजस्थान के अजमेर से भेजा गया था। मैसेज भेजने वाले की तलाश में एक टीम को अजमेर भेजा गया है। एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई ट्रैफिक पुलिस की हेल्पलाइन 7 दिसंबर की सुबह ये मैसेज भेजा गया है।

जम्मू-कश्मीर में शीत लहर के बीच बारिश और बर्फबारी का अलर्ट

श्रीनगर (आरएनएस)। तापमान में गिरावट के साथ कश्मीर घाटी में शीत लहर जारी है। श्रीनगर से लेकर लेह तक तापमान शून्य से नीचे पहुंच गया। लेह में रात का तापमान -19 डिग्री रिकॉर्ड किया गया और कारगिल का हाल कश्मीर से भी बुरा है। यहां का तापमान यहां का तापमान माइनस 10 डिग्री तक नीचे चला गया है। कश्मीर के हर हिस्से में तेजी से गिर रहे तापमान के कारण ठंड की शिद्दत बढ़ने लगी है जिसे देखते हुए प्रशासन ने फेस वाइस स्कूलों में विंटर वेकेशन की घोषणा की है। फिलहाल लोगों को इस ठुठरती की ठंड से राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है।

मुख्यमंत्री ने की 100 दिनों तक चलने वाले निक्षय निरामय कार्यक्रम की शुरूआत

विकसित छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं का होगा अहम योगदान : विष्णुदेव साय

निक्षय पोषण योजना के तहत हितग्राहियों को आनलाइन ट्रांसफर की योजना की राशि

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने रायपुर के एम्स आडिटोरियम में रिमोट का बटन दबाकर 100 दिनों तक चलने वाले राज्य स्तरीय निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ अभियान की शुरूआत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने रिमोट का बटन दबाकर निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को प्रतिमाह दी जाने वाली 1 हजार रूपए की राशि के आनलाइन ट्रांसफर करने की भी शुरूआत की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को निक्षय निरामय की शपथ भी दिलाई। निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ कार्यक्रम के अंतर्गत अगले 100 दिनों तक राज्य में टीबी, कुष्ठ और मलेरिया के मरीजों की पहचान की जाएगी और उनका उपचार सुनिश्चित किया जाएगा। योजना में राज्य के वृद्धजनों का भी स्वास्थ्य जांच और उपचार शामिल है।

इस मौके पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि विकसित भारत के साथ ही साल 2047 तक छत्तीसगढ़ को भी विकसित राज्य बनाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं का अहम योगदान होगा। उन्होंने कहा कि 13 दिसंबर को हमारी सरकार के कार्यकाल का पहला वर्ष पूरा हो रहा है। बीते 12 महीनों में हमने राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। स्वास्थ्य और शिक्षा, ये दो ऐसे विषय हैं जो सीधे-सीधे राज्य और राष्ट्र के विकास से जुड़े हुए हैं। जब हर नागरिक का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, उन्हें अच्छी शिक्षा मिलेगी, तो वे राष्ट्र के विकास में अपना अधिकतम योगदान दे पाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले के साथ ही सभी चिकित्सकों ने भी प्रदेश में चलाए जा रहे स्वास्थ्य अभियानों में हमेशा तत्परता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। अनेक दुर्गम क्षेत्रों में आवागमन के साधनों की कमी होने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग के अमले ने अंदरुनी गांवों तक अपनी सेवाएं पहुंचाई हैं। हमारे डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों ने अनेक दुर्गम गांवों तक पहुंचने के लिए लंबी-लंबी पदयात्राएं कीं, नदी-नालों को भी पार किया है। उन्होंने कहा कि वास्तव में आप लोगों का यह जज्बा सेना के किसी जवान के जज्बे से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि टीबी, कुष्ठ और मलेरिया जैसी बीमारियों से मुक्ति दिलाने के लक्ष्य को हासिल करने में निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में राज्य निरामय छत्तीसगढ़ की ओर अग्रसर है। छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार विस्तार किया जा रहा है। इसके लिए सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों की शुरूआत की जा रही है, मेकाहारा जैसे बड़े अस्पतालों पर मरीजों का दबाव कम करने के लिए नए अस्पताल भवन तैयार किए जा रहे हैं और चिकित्सकों की लगातार भर्ती की जा रही है। राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर नया कीर्तिमान स्थापित हो रहा है।

निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ अभियान कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अपने हाथों से हितग्राहियों को पोषण आहार, हियरिंग एड, वाकर और वाकिंग स्टिक प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और मितानिन बहनों को सम्मानित भी किया।

सुश्री बबीता नाग ने मुख्यमंत्री को बांधा निरामय सूत्र

निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ कार्यक्रम के अंतर्गत ऐसे लोगों का भी सम्मान किया गया जिन्होंने टीबी और कुष्ठ जैसी बीमारियों से लड़ाई लड़ी और आज स्वस्थ जीवन का आनंद उठा रहे हैं। इन्हीं में से एक बस्तर के तोकापाल की रहने वाली बबीता नाग ने अपने स्वस्थ होने का श्रेय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को दिया है जिनकी पहल की वजह से वो टीबी जैसी बीमारी के प्रति जागरूक हो सकीं और समय पर अपना इलाज कराया। मुख्यमंत्री को धन्यवाद देने के लिए बबीता आज निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ कार्यक्रम में उपस्थित थीं। उन्होने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को अपने हाथों से निक्षय निरामय सूत्र बांधा और प्रदेश में स्वास्थ्य संवर्धन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के लिए आभार प्रकट किया।

टीबी से लड़ने में भारत की ग्लोबल नेतृत्व क्षमता मजबूत हुई : पीएम नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बताया कि निक्षय मित्र और कम समय में प्रभावी उपचार जैसी पहलों से टीबी के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है। मरीजों के ठीक होने की दर में सुधार हुआ है और टीबी से लड़ने में भारत की वैश्विक नेतृत्व क्षमता मजबूत हुई है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण जेपी नड्डा की ओर से एक्स पर की गई पोस्ट का जवाब देते हुए एक पोस्ट की। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने विस्तार से बताया कि कैसे भारत के टीबी उन्मूलन प्रयासों में निक्षय पोषण योजना के माध्यम से पोषण संबंधी सहायता से परिवर्तनकारी प्रगति देखी गई है। निक्षय मित्र और कम समय में प्रभावी उपचार जैसी पहलों ने टीबी के मामलों में उल्लेखनीय कमी लाई है, मरीजों के ठीक होने की दर में सुधार हुआ है और टीबी से लड़ने में भारत की वैश्विक (ग्लोबल) नेतृत्व क्षमता को मजबूत किया है।

जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लेख को पोस्ट करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। भारत में टीबी की रोकथाम के लिए कई पहल की जा रही हैं। इनमें उच्च-भार वाले जिलों में 100-दिवसीय अभियान, निक्षय पोषण योजना के माध्यम से पोषण सहायता में वृद्धि, लागत प्रभावी निदान उपकरण जैसी पहल देश के प्रयासों को गति दे रही हैं। इन कदमों से उपचार कवरेज में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और टीबी के मामलों में कमी आई है। जनभागीदारी पर जोर ने समुदायों को एकजुट किया है, जिससे समय पर निदान और उपचार सुनिश्चित हुआ है। भारत का अभिनव दृष्टिकोण वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है और देश को टीबी मुक्त भारत के करीब ले जा रहा है।

टीडीएफ योजना के तहत 334.02 करोड़ रुपए लागत वाली 79 परियोजनाओं को मिली मंजूरी

नईदिल्ली (आरएनएस)। रक्षा प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ) योजना के तहत अब तक 79 परियोजनाएं मंजूर की गई हैं, जिनकी लागत 334.02 करोड़ रुपये है।

इसके अलावा, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने देश भर में 15 उद्योग अकादमिक उत्कृष्टता केंद्र (डीआईए-सीओई) स्थापित किए हैं। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में यह जानकारी दी। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा मेक इन इंडिया पहल के तहत प्रौद्योगिकी विकास निधि योजना रक्षा मंत्रालय का एक प्रमुख कार्यक्रम है। केंद्र सरकार ने उद्योगों, विशेष रूप से एमएसएमई और स्टार्टअप को विभिन्न रक्षा प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए इस योजना को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उद्योगों को अनुदान सहायता के रूप में प्रति परियोजना 50 करोड़ रुपये तक का फंड दिया जाएगा। डीआरडीओ ने रक्षा और सुरक्षा के लिए नई टेक्नोलॉजी के विकास में रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए आईआईएससी बैंगलोर, विभिन्न आईआईटी और केंद्रीय/राज्य विश्वविद्यालयों जैसे संस्थानों में डीआईए-सीओई की स्थापना की है।

ये उत्कृष्टता केंद्र शोधकर्ताओं और विद्वानों को आकर्षित करने के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, अनुसंधान सुविधाओं और बुनियादी ढांचे से सुसज्जित हैं। इन केंद्रों के माध्यम से, डीआरडीओ का लक्ष्य उत्पाद विकास को आगे बढ़ाने के लिए स्टार्टअप और उद्योगों के साथ प्रभावी सहयोग स्थापित करना है। सरकार ने रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों में इनोवेशन और टेक्नोलॉजी के विकास को बढ़ावा देने के लिए इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस फ्रेमवर्क को लॉन्च किया है।

रेल मंत्री ने कटक रेलवे स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार का उद्घाटन किया

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज कटक रेलवे स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार का उद्घाटन किया। यह परियोजना, अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत, स्टेशन के पुनर्विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। नया प्रवेश द्वार और पूर्वी साइड स्टेशन भवन यात्रियों के लिए बेहतर सुविधा, सुरक्षा और सुगमता प्रदान करेगा।

मुख्य विशेषताएं- 21,270 वर्गफुट का वातानुकूलित स्थान यात्रियों के आराम को बढ़ाता है। आधुनिक सुविधाओं में 2,100 वर्गफुट का फूड कोर्ट, प्रतीक्षालय, एस्केलेटर, लिफ्ट और आधुनिक शौचालय शामिल हैं। सुगम्यता के लिए दिव्यांगजनों हेतु अनुकूल एस्केलेटर और लिफ्ट। पार्किंग और पिकअप/ड्रॉप-ऑफ क्षेत्र जैसी उन्नत यात्री सुविधाएं। स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनें, प्रधान मंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र और स्थानीय हस्तशिल्प के लिए वन स्टेशन वन प्रोडक्ट ट्रॉलियां। 303 करोड़ रुपए की इस परियोजना के तहत कटक रेलवे स्टेशन को विश्व स्तरीय परिवहन केंद्र में बदला जाएगा। द्वितीय प्रवेश द्वार 14.63 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है और यह क्षेत्र में बेहतर कनेक्टिविटी की मांग को पूरा करता है। यह विकास न केवल कटक के बल्कि पारादीप, केंद्रापाड़ा, जगतसिंहपुर जैसे जिलों के यात्रियों को भी लाभान्वित करेगा। यह स्टेशन भविष्य में रेलवे स्टेशन पुनर्विकास का आदर्श बनेगा। इस अवसर पर उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में लोकसभा सांसद श्री भरतृहरि महताब और विभिन्न सम्मानित विधायक शामिल थे।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने विद्युत उपकेंद्र का किया शुभारंभ

22 गांवों को लो-वोल्टेज की समस्या से मिलेगी मुक्ति

रायपुर (विश्व परिवार)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने शनिवार को मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड के नवरंगपुर में 33/11 केव्ही नवीन सब स्टेशन का लोकार्पण किया। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा यहां 3.15 एमव्हीए क्षमता का पॉवर ट्रांसफॉर्मर स्थापित किया गया है। इस नए विद्युत उपकेंद्र से क्षेत्र के 22 गांवों को लो-वोल्टेज की समस्या से मुक्ति मिलेगी। इससे छह हजार बिजली उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने विद्युत उपकेंद्र के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में लगातार विकास के कार्य किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की हर एक गारंटी को पूरा किया जा रहा है। गांव, गरीब, किसान सभी का विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज शुरू हुए इस नए विद्युत उपकेंद्र से क्षेत्रवासियों को लो-वोल्टेज की समस्या से निजात मिलेगी। लंबे समय से इसकी मांग की जा रही थी। उन्होंने लोगों से बिजली का सदुपयोग करते हुए इसके बचत की अपील की। नवरंगपुर, डिंडोरी, कठौतिया इत्यादि गांवों के खुड़िया फीडर से अधिक दूरी के कारण हमेशा लो-वोल्टेज की समस्या बनी रहती थी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में सौर ऊर्जा उत्पादन का विस्तार

बिलासपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर, रायपुर और नागपुर मंडलों में वर्ष 2010-11 से हरित विद्युत ऊर्जा के उत्पादन के लिए कार्यालय एवं स्टेशन भवनों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने में सक्रिय रूप से कार्य किया जा रहा हैं। सौर ऊर्जा संयंत्रों की विशेषताएँ- सौर ऊर्जा संयंत्र तत्काल उपयोग के लिए ऊर्जा प्रदान कर सकते हैं, इसे बैटरी में संग्रहीत किया जा सकता है, या अतिरिक्त ऊर्जा को ग्रिड में वापस भेजा जा सकता है। सोलर पैनल फोटोवोल्टिक प्रभाव का उपयोग करके प्रकाश को विद्युत धारा में परिवर्तित करते हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में सौर ऊर्जा उत्पादन का विकासक्रम- दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 2010-11 में केवल 5 किलोवाट के संयंत्र से शुरुआत की थी। वर्तमान में अब तक, 5451 किलोवाट क्षमता वाले सौर ऊर्जा संयंत्र कार्यालय एवं स्टेशन भवनों की छतों पर स्थापित किए जा चुके हैं। ये संयंत्र प्रतिमाह लगभग 3.8 लाख यूनिट ऊर्जा उत्पन्न कर रहे हैं, जिससे 10.1 लाख रुपए की बचत हो रही है। इसके अलावा, हर महीने 315.2 टन कार्बन डाइऑक्साइड (COw) के उत्सर्जन में कमी आई है। सौर पैनलों की सफाई के लिए नवाचार- सौर पैनलों के कुशल प्रदर्शन के लिए नियमित सफाई आवश्यक है। इस उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ज़ोन ने यंत्रीकृत सफाई प्रणाली विकसित की है।

भविष्य की योजनाएँ- स्थापना कार्य स्वीकृत- बिलासपुर, रायपुर और नागपुर मंडलों में 7776 किलोवाट सौर संयंत्र स्थापित करने के लिए 34.6 करोड़ रुपए की लागत से कार्य स्वीकृत किया गया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में स्थापित किए गए सौर ऊर्जा संयंत्र- 139 कार्यालय भवनों की छत पर। 2280 आवासीय क्वार्टरों की छत पर। 175 प्लेटफॉर्म शेल्टर/स्टेशन भवनों पर।

अपेक्षित परिणाम- प्रतिमाह लगभग 5.4 लाख यूनिट विद्युत ऊर्जा का उत्पादन। 14.40 लाख रुपए की बचत। 449.5 टन कार्बन डाइऑक्साइड (COw) के उत्सर्जन में कमी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का उद्देश्य अधिक से अधिक उपलब्ध स्थानो का उपयोग कर सौर ऊर्जा का उत्पादन को बढ़ावा देकर राष्ट्र की प्रगति में योगदान देना है।

भारतीय रिज़र्व बैंक

जनता को **सोशल मीडिया** पर प्रसारित **शीर्ष प्रबंधन** द्वारा वित्तीय सलाह देने वाले फर्जी **(डीपफेक) वीडियो** के प्रति सतर्क करता है।

भारतीय रिज़र्व बैंक के संज्ञान में यह आया है कि सोशल मीडिया पर गवर्नर के फर्जी वीडियो प्रसारित किए जा रहे हैं, जिनमें रिज़र्व बैंक द्वारा कतिपय निवेश योजनाओं को शुरू करने या उनको समर्थन प्रदान करने का दावा किया गया है। इन वीडियो में लोगों को तकनीकी उपकरणों के माध्यम से ऐसी योजनाओं में अपना पैसा निवेश करने की सलाह देने का प्रयास किया गया है।

भारतीय रिज़र्व बैंक यह स्पष्ट करता है कि उसके अधिकारी ऐसी किसी गतिविधि में शामिल नहीं हैं और न ही उनका समर्थन करते हैं तथा ये वीडियो फर्जी हैं। रिज़र्व बैंक वित्तीय निवेश संबंधी ऐसी कोई सलाह नहीं देता है।

अतएव, जन सामान्य को सोशल मीडिया पर प्रसारित ऐसे फर्जी (डीपफेक) वीडियो और उनका शिकार होने से बचने के लिए सतर्क किया जाता है।

आरबीआई वेबसाइट पर जाने के लिए यहां स्कैन करें।

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, सोमवार 09 दिसम्बर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी को पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर क़ी पुण्यतिथि पर संयुक्त जिला कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। अपर कलेक्टर सुश्री दीप्ति गौते सहित अधिकारी एवं कर्मचारियों ने कार्यालय परिसर स्थित डॉ अम्बेडकर क़ी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और याद किया। डॉ.आंबेडकर की पुण्यतिथि हर वर्ष 6 दिसंबर को मनाई जाती है। इसे महापरिनिर्वाण दिवस के तौर पर मनाया जाता है। बाबासाहेब आंबेडकर का निधन छह दिसंबर 1956 को हुआ था।

डी.के. महाविद्यालय में प्रकृति परीक्षण अभियान

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। शासकीय दाऊ कल्याण कला एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलौदाबाजार में दिनांक 07/12/2024 को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं आयुष क्लिनिक जिला चिकित्सालय बलौदा बाजार के संयुक्त तत्वाधान में देश का प्रकृति प्रशिक्षण अभियान महाविद्यालय में चलाया गया। इस अभियान में डॉ विवेक वर्मा, डॉ सुरेश मेहता और लक्ष्मण वर्मा सम्मिलित हुए। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का योजना है कि पूरे संपूर्ण भारत के लोगों के प्रकृति परीक्षण करके उन्हें आने वाले भविष्य में अच्छा स्वास्थ्य और योजना प्रदान कर पाए। प्राचार्य डॉ.ए.आर.सी. जेम्स ने इस अभियान का महाविद्यालय में स्वागत किया एवं विशेषज्ञों से सभी विद्यार्थियों, स्टाफ, कर्मचारियों का परीक्षण करके उनके स्वभाव वजन बीपी आदि की जानकारी प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिए। महाविद्यालय से डॉ.सी.के. चंद्रवंशी, डॉ.ए.के. उपाध्याय, मोहनलाल वर्मा, योगेंद्र कंवर, सिमी मिंज, अभिषेक बंजारे, जयंत मिंज, योगेश पटेल, पंकज साहू उपस्थित थे। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी नरेंद्र देव मिर्झा के देखरेख में संचालित हुआ।

जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में दिव्यांगों ने दिखाया जौहर, डीईओ ने किया आयोजन की सराहना

आरंग (विश्व परिवार)। शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी डाक्टर विजय कुमार खंडेलवाल के निर्देशन तथा विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा व विकासखंड स्रोत समन्वयक मातलीनंदन वर्मा के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय दिव्यांगजनों का खेलकूद प्रतियोगिता शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला बोडरा में आयोजित किया गया।जिसमें आरंग सहित अभनपुर, तिल्दा, धरसीवां, रायपुर शहरी व ग्रामीण से दिव्यांगजनों ने खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेते और अपनी अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाया।वहीं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे जिला शिक्षा अधिकारी डाक्टर विजय कुमार खंडेलवाल ने दिव्यांग बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए आयोजन की सराहना किए। वही जिला समन्वयक के एस पटले ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी दिए दिव्यांग बच्चों को नगद राशि भेंटकर उत्साह बढ़ाया।एपीसी माया वर्मा ने दिव्यांगता दिवस मनाये जाने के कारण एवं दिव्यांगो से जुड़ी अधिनियम संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। वहीं विकासखंड अधिकारी दिनेश शर्मा ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा ऐसे आयोजनों से बच्चों के प्रतिभाओं को अवसर मिलता है।विकासखंड स्रोत समन्वयक मातली नंदन वर्मा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा दिव्यांग बच्चों को दया की जरूरत नहीं, बल्कि स्नेह व प्रोत्साहन की आवश्यकता है। इस मौके पर दिव्यांग बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। जो सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। सभी दिव्यांग विजेताओं और प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और आकर्षक उपहार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।

खेतों को जहर परोस रही हैं राइस मिलें, किसानों की बढी परेशानी

किसानों ने कहा- इसी तरह से काली राखड़ निकलती रही तो खेत हो जाएगा बंजर

गरियाबंद रोड के खेतों में जमी राइस मिल के राखड़

राजिम (विश्व परिवार)। राजिम से गरियाबंद देवभोग मुख्य सड़क मार्ग पर देखते ही देखते छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद से इन 24 वर्षों में चार राइस मिल तन गए हैं और भी बन रहे हैं। इन राईस मिलों से लगातार काली राखड़ उड़कर सीधे खेतों में पहुंच रही हैं और राखड़ की मोटी परत जमीन पर दिखाई दे रही है। वर्तमान में खेत में फसल आए हुए हैं। किसान इन्हें काटने तथा घर ले जाने में लगे हुए हैं। धान की पौधे पर यह राखड़ इस कदर लगा हुआ है कि इन्हें समेटने में किसानों के पसीने छूटने लगे हैं। मिल के आसपास के खेतों में तो पूरी फसल ही बर्बाद हो रही है। किसान काम करने के लिए जा रहे हैं तो उनके ऊपर कुछ ही मिनट में राखड़ की परत चढ़ रही है। जिससे उन्हें सिर दर्द होना आम बात हो गई है। आंखों में घुसने के बाद तो आंख मलते ही दिक्कत में पड़ रहे हैं और काम को अधूरे छोड़कर घर आने की मजबूरी तथा डॉक्टर के पास जाकर इलाज करने के नाम पर पैसे खर्च हो रहे हैं। अब खेतों में काम करना मुश्किल हो गया है। किसान बड़ी दिक्कत में फंस गए हैं लोगों का कहना है कि शासन प्रशासन राइस मिल के चिमनियों से निकलने वाले काली राखड़ पर कोई पाबंदी नहीं लग रहे हैं और तो और सड़क पर आने जाने वाले लोग भी आंख में राखड़ घुसने के कारण अनबैलेंस हो जाते हैं तथा गिर रहे हैं या फिर दुर्घटनाओं के शिकार हो रहे हैं। जानना जरूरी है कि यह शहर से बिल्कुल लगा हुआ है। इस मार्ग में राजिम, पथर्रा, नवाडीह, पीपरछेड़ी, सेम्हरतरा, चौबेबांधा,सिंधौरी, बरोंड़ा के किसान ज्यादा प्रभावित है। किशन, लीलाराम, गणपत, भोजराम, गुलाब, हेमलाल ने बताया कि यही स्थिति रही तो जमीन बंजर हो जाएगी। हम खेती नहीं कर पाएंगे और अपनी खेतीहर जमीन बेचने के लिए विवश होंगे। उसके बाद तो हम बेरोजगार हो जाएंगे फिर क्या करेंगे यह चिंता हमें सताए जा रही है। एक किसान अपने पांव के काली रखड़ के परत को दिखाते हुए कहा कि हम अभी आए हैं और हमारे पांव को देख लीजिए कैसे काली हो गई है। इससे अनुमान लगा लीजिए कि हम लोग कितने दिक्कत में खेती कर रहे हैं। सब्जी बाड़ी किसान ने अपने गोभी की फसल को दिखाते हुए कहा कि इनके फूल को देख लीजिए भैया! कैसे इसमें रखड़ जमे हुए हैं काटने के बाद इन्हें धोना पड़ता है तब कहीं इसमें लाइट आती है वरना इन्हें कोई खरीदने के लिए तैयार नहीं होते हैं। यही हाल धान की फसल का है काली धुआं एवं राखड़ के कारण धान की लाइटिंग समाप्त हो गई है इसे बेचने पर कीमत तो कम मिलती है साथ ही खूब परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है।

अब छत पर बड़ी नहीं सुखा पाते

आसपास के महिलाएं बता रही थी कि अब तो हम बड़ी नहीं सुखा पा रहे हैं। दाल की कीमत बढ़ी हुई है और बड़ी बना भी ले तो छत में ले जाकर सुखाते हैं तो उसमें काली राखड़ की परत जम जाती है उसके बाद तो इन्हें खाया नहीं जा सकता। कपड़े में भी काली धुआं आकर चिपक जाते हैं। गाड़ी रखते हैं तो उसमें भी चिमनियों के धुएं जम रहे हैं। राजिम अब स्वच्छ शहर नहीं बल्कि प्रदूषित शहर बन गए हैं। इन्होंने यह भी कहा कि हवा के माध्यम से यह राखड़ शरीर में प्रवेश कर रहे हैं और बीमारियां दे रही है।

राइस मिल के गंदे पानी से खेत हो रहे बर्बाद

राइस मिल से लगा हुआ किसानों ने बताया कि मिल वाले अपने गंदे पानी खेतों में छोड़ रहे हैं जिसके कारण हम लोग खेती नहीं कर पा रहे हैं। बहुत सारे ऐसे किसान है जिन्होंने मजबूरी में ही राइस मिल वाले को अपने खेती की जमीन बेच दिए हैं जिसके कारण मिल का दायरा बढ़ता जा रहा है और खेती के भूमि कम होते जा रहे हैं। मिल के पास खेत में खड़े किसान होरीलाल, संतोष, दीनदयाल, भेषज ने बताया कि किसान अन्नदाता होता है और किसानी भूमि पर अत्याचार हो रहा है। यही स्थिति बनी रही तो किसान खेती करना छोड़ देंगे, तब जनता क्या खायेगा। बहुत बड़ा प्रश्न है शासन प्रशासन को इस दिशा में पहल करनी बहुत जरूरी है। इन किसानों का यह भी कहना है कि गंदे पानी को निकालने के लिए मिलर्स कोई व्यवस्था करें तथा चिमनियों से निकलने वाले राखड़ पर जिला प्रशासन सख्त हो तभी हम खेती कर पाएंगे। और सरकार खेतिहर जमीन के आसपास राइस मिल ना खुलवाएं। इन किसानों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, क्षेत्रीय विधायक रोहित साहू, जिला कलेक्टर गरियाबंद से मांग करते हुए कहा है कि शहर से 10 किलोमीटर की दूरी तक राइस मिल खोलने पर पाबंदी किया जाए तथा खुले हुए राइस मिल के राखड़ और गंदे पानी से निजात दिलाये।

दादा गुरु आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज की शिष्या कंचनबाई जी की हुई 106 वर्ष में समाधि

सागर (विश्व परिवार)। अजमेर नगर में जन्मी दादा गुरु आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज की शिष्या दसम प्रतिमाधारी कंचनबाई जी जिनका नाम यशोमति रखा गया है, वर्तमान में निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी व आर्यिका श्री उपशान्तमति माता जी ससंघ के सानिध्य में जिनकी समाधि विगत 3.5 माह से सल्लेखना चल रही थी, आज शनिवार, 7 दिसम्बर 2024 को 106 वर्ष की आयु में उनकी सल्लेखना पूर्वक समाधि वर्णी भवन, मोरा जी, सागर में सम्पन्न हुई।

वंदनीया बाई जी आचार्यश्री विद्यासागर जी के आर्यिका गुरुकुल की शिक्षिका रही थी, आपने अन्य भी 3 बाईजी के साथ रहकर आर्यिका गुरुमति, दृढ़मति जी आदि 170 आर्यिकाओं को तैयार किया। बाद में आचार्यश्री ने समाधि साधना के दृष्टिकोण से आपको आर्यिकाश्री उपशान्तमति माताजी के संघ में रखा। वंदनीया बाई जी प्रतिदिन पूज्य मुनिश्री के चरणों का पाद-प्रक्षालन करती और गंधोदक को अपने मस्तक पर धारण करती थी, नित प्रतिदिन पूज्यश्री का मंगल उद्बोधन उन्हें प्राप्त होता रहा। समाधि के समय उनके परिणामों में गजब की जागृति थी। प्रतिदिन की तरह आज भी जगतपुज्य निर्यापक श्रमण श्री सुधासागर जी महाराज आहार के बाद उनको उद्बोधन व शुभाशीष देने गए, पूज्य मुनि श्री के कहने पर उन्होंने आँख खोली, नमः सिद्धेभ्यः का उच्चारण किया और समाधि को प्राप्त हुई। ऐसी महान आत्माओं का दर्शन सम्मेद शिखरजी से भी ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। जिनकी सेवा विगत 10 वर्षों से आर्यिका उपशान्तमति माता जी के संघ में चली। वर्तमान में मुनि संघ व आर्यिका संघ के सानिध्य में अंतिम समय निकलना ये दुर्लभतम दुर्लभ है। जिन्होंने दादागुरु आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज को ब्रह्मचारी अवस्था में देखा है। हे भगवान ऐसी समाधि की भावना हमारी भी बने। वन्दनीय बाई जी का डोला आज 7 दिसम्बर 2024, दोपहर 1 बजे मोराजी से मंगलगिरी ले जाया गया जहाँ उनकी अंतिम संस्कार की क्रियाये संपन्न हुई।

आपके शुभ भाव कीं दुर्गर्ति में तो कारण नहीं बन रहें हैं : भावलिंगी संत आचार्य श्री विमर्श सागर जी महामुनिराज

दिल्ली (विश्व परिवार)। अतीत जन्मों से जीव के द्वारा जो सत्कर्म किया जाता है उससे बंध को प्राप्त आयु के द्वारा यह मनुष्य आयु मनुष्य भव प्राप्त होता है। आज हमें जो कुछ भी सुख अथवा दु:ख प्राप्त हो रहे है वे अपने ही द्वारा पूर्व में किए गए शुभ अथवा अशुभ भावों का ही फल हुआ करते है। व्यक्ति को आज अपने ही भावों को अपने प्रयोजन को जानकर पहिचानकर अपने ही भावों को अपने ही प्रयोजन को समीचीन - सम्यक बनाना चाहिए । ऐसा महामंगलकारी सदुपयोंग राजधानी दिल्ली कृष्णा नगर में उपस्थित धर्मसभा के बीच भावलिंगी संत आचार्य श्री 108 विमर्श सागर जी महामुनिराज ने दिया।

आचार्य श्री ने भावों का विश्लेषण करते हुए बताया - शुभ भाव भी दो प्रकार के होते है। 1 सातिशय शुभभाव 2 निरतिशय शुभ भाव जहां सच्चे जिनेन्द्र देव, सच्ची मां जिनवाणी और सच्चे निर्ग्रन्थ बीतरागी गुरू की शरण में जो शुभ भाव किये जाते है वे ही सातिशय शुभ भाव है और जहां धर्म और धर्म और धर्मायतनों से दूर रहकर बाह्य दीन:दुखियों की सेवा आदि के कार्य किय जाते है वे भाव निरतिराय शुभ भाव है। ध्यान रहे अशुभ भाव तो जीव की दु:ख ही पैदा करते है। बन्धुओं निरतिशय शुभ भाव आपकों वैभव तो दिला देंगे। किन्तु अशुभ भावों की तरह आपकी आसक्ति उस वैभव में बढ़ा देंगे। आप अपने वैभव में ही आसक्ति मोह , राग द्वेष मोह के द्वारा प्राप्त हुए वैभव को नष्ट करके अपनी दुर्गति का ही प्रबंध कर लेंगे।

सातिशय शुभ भावों से ही पुण्य बंध द्वारा जीवन में अनुकूल वैभव ही प्राप्ती हुआ करती है। किन्तु शुभ भाव धर्म के साथ से अत: वह वैभव भी भटकाता नहीं है। अपितु संसार से विरक्ति पूर्वक सद्मार्ग पर बढ़ा देता है। अत: शुभ भाव अवश्य करें। किन्तु सावधानी रखे कि वे शुभ भाव देव शास्त्री की शरण पूर्वक ही हो ताकिं हमारा आगे का भी धर्म मार्ग प्रशस्त्र होता रहे।

09 दिसम्बर 2024 को परम पूज्य गणाचार्य सूरिगच्छा चार्य गुरूदेव श्री 108 विराग सागर जी महामुनिराज का 42 वां मुनि दीक्षा दिवस राजधानी दिल्ली कृष्णा नगर के श्री महावीर जिनालय में आदर्श शिष्योत्रम आचार्य श्री विमर्श सागर जी महामुनिराज के ससबंध 138 पीछी के सानिध्य में मिलाया गया।

कलिंगा विश्वविद्यालय ने विज्ञान कार्यशील मॉडल प्रतियोगिता 3.0 का आयोजन किया

रायपुर (विश्व परिवार)। कलिंगा विश्वविद्यालय ने शनिवार, 7 दिसंबर 2024 को अपने परिसर में विज्ञान कार्यशील मॉडल प्रतियोगिता 3.0 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। विभिन्न विद्यालयों से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया और उन्हें प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में 65 से अधिक स्कूलों के 500 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया और 150 मॉडल प्रस्तुत किए। 400 से अधिक छात्रों ने परिसर में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल (एसएजीईएस) मोहोबा बाजार, रायपुर के विद्यार्थियों ने महिला सुरक्षा जूते पर मॉडल प्रस्तुत करने के लिए 10,000 रुपये का प्रथम पुरस्कार जीता। प्लास्टिक ईंटों के लिए अध्ययन अकादमी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रायपुर ने 7500 रुपये का दूसरा पुरस्कार जीता। दावरा इंटरनेशनल स्कूल अभनपुर को प्रशंसक आत्महत्या मामले रोकने के मॉडल के लिए 5000 रुपये का तीसरा पुरस्कार मिला। सभी विजेताओं को स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र और डायरी उपहार स्वरूप दी गई।

प्रतिभागियों को 2500-2500 रुपये के पांच सांत्वना पुरस्कार दिए गए- स्मार्ट हेड लाइट डिटेक्टर मॉडल के लिए दावरा इंटरनेशनल स्कूल अभनपुर, केवी नया रायपुर को सुनामी डिटेक्टर प्रणाली के लिए, कृष्णा पब्लिक स्कूल, नया रायपुर को भूकंप अलार्म पर आधारित मॉडल बनाने के लिए, दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल रायपुर के विद्यार्थियों को इको फ्लो नेचर मॉडल के लिए तथा भारत माता सीनियर सेकेंडरी स्कूल नया रायपुर के विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र के साथ स्मृति चिन्ह और डायरी भी प्रदान की गई। लर्नर्स इंग्लिश मीडियम स्कूल, रायपुर को गार्जियन स्टिक बनाने के लिए तथा ब्राइटन इंटरनेशनल स्कूल, रायपुर को टॉकिंग स्टिक बनाने के लिए विशेष सम्मान दिया गया। सभी प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र दिए गए। विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया और मौके पर आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में भी उन्होंने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./16247/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 06-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16247
वार्ड का नाम-10- रानी लक्ष्मी बाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227H00016** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MRS. SHABNAM USMAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LATE. SHEIKH USMAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मोहम्मद इसहाक कुरैशी** पिता/पति श्री/श्रीमती **पिता श्री निसार कुरैशी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्दु दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./16309/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 07-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16309
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR235G00174** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **A. ARUN KUMAR W/O DR. A.R.D. DR. P. KARUNA BHAWANI W/O SUDHAKAR KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्री निलेश चावड़ा पिता - स्व. श्री जयंती लाल चावड़ा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **2. श्रीमती नंदिनी चावड़ा - पति श्री निलेश चावड़ा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./16245/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 07-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16245
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR220F00352** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RAVI DEWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O GHANSHYAM DAS DEWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री तरूण पटेल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता - श्री जयंती लाल पटेल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /16278/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 06-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16278
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801O00401** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **M/S RAJA VATIKA DUWARA SARDAR SHREE AMOLAK SINGH, INDRAPAL SINGH, GURJEET SINGH S/O HARVANSH SINGH, BHUPENDRA SINGH S/O SURJEET SINGH BHATIYA SUBHAM ADHLKHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRIKANT SHUKLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ASHOK KUMAR SHUKLA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /16347/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 06-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16347
वार्ड का नाम- 02 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 02 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802I00932** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAVI CHOPRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **D.P. CHOPDA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANOOP KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **UMA SHANKAR SAINI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /16326/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 06-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16326
वार्ड का नाम- 02 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 02 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802F00028** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **IKU MITTAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ROHIT MITTAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ASHWARYA DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. K.P. DEWANGAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /16345/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 06-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16345
वार्ड का नाम- 02 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 02 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802K00450** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAMESHWARI SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MAHENDRA KUMAR SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANOOP KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **UMA SHANKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./16171/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 07-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16171
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR220F00224** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MR. PRAKASH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O LAXMAN DAS** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती कोमल नानवानी - पति स्व. श्री अनिल नानवानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. भविष्य नानवानी 2 स्वयं नानवानी, दोनो - पिता स्व. अनिल नानवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर, रविवार 08 दिसम्बर 2024

टैनिस बाल टी 10 क्रिकेट प्रतियोगिता का शंखनाद

युवा कलेक्टर एस जयवर्धन, एसपी प्रशांत ठाकुर, जी एम अजय तिवारी का चढ़ा जोश पेशेवर खिलाड़ियों की तरह घुमाया बल्ला

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- जिला सुरजपुर ड्यूज बाल क्रिकेट एशोसिएशन द्वारा आईपीएल की तर्ज पर आयोजित टेनिस बाल टी 10 क्रिकेट प्रतियोगिता (टीटीएल) का शुभारंभ शनिवार को शानदार ढंग से किया गया। प्रतियोगिता के पहले मैच में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए एकेडमिक ईगल्स बिश्रामपुर की टीम ने ब्लाक चैन ब्लास्टर (बाई मिस्टर मिंट) सरगुजा को करारी शिकस्त देते हुए 77 रनों से पराजित किया।

प्रतियोगिता के शुभारंभ समारोह के मुख्य अतिथि सूरजपुर कलेक्टर एस जयवर्धन व कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सूरजपुर एसपी प्रशांत ठाकुर समेत विशिष्ट अतिथि अजय तिवारी महाप्रबंधक एसईसीएल विश्रामपुर क्षेत्र, सुभाष गोयल सदस्य राज्य उपभोक्ता संरक्षण परिषद द्वारा प्रतियोगिता की ट्राफी का अनावरण कर शुभारंभ किया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के उपरांत खेल को आरंभ कराया।

अतिथियों के स्वागतोपरान्त कलेक्टर एस जयवर्धन ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि खेल मनुष्य के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। वर्तमान में नशे की लत के चपेट आ रहे युवाओं को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने में यह आयोजन सहायक होगा। नशा शरीर को खोखला करता है और शरीर को सशक्त बनाता है। समाज के लिए नशा घातक है और इस मंच से मेरी अपील है कि आज के युवा नशे से दूर रहे। उन्होंने खेल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल स्वस्थ जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है।

सूरजपुर एसपी प्रशांत ठाकुर ने कहा कि खेल लक्ष्य प्राप्ति का सशक्त माध्यम है खेल से युवाओं में अनुशासन की भावना पनपती है। खेल नशा उन्मूलक में भी सहायक है। युवा अधिक से अधिक खेल को अपने सार्वजनिक जीवन में आत्मसात करें। नशा शरीर और समाज दोनों के लिए घातक है। ऐसे आयोजनों का उद्देश्य नशे से ग्रसित युवाओं को खेल से जोड़कर समाज की मुख्य धारा में वापस लाना है। महाप्रबंधक अजय तिवारी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवा वर्ग खेल के प्रति प्रोत्साहित होगा। ऐसे आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को एक मंच मिलेगा और उनकी हौसला अफजाई होगी। अभिभावक भी बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल मैदान में खेलने के लिए प्रोत्साहित करें।

शुभारंभ समारोह में अतिथियों की श्रृंखला में जिला सूरजपुर क्रिकेट ड्यूस बॉल एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष बिंदेश्वर शरण सिंहदेव डीएसपी रामसिंगार यादव, खेल अधिकारी शबाब हुसैन समेत ट्रांसपोर्टर रमेश दनौदीया, ज्ञानोदय एशोसिएशन के अध्यक्ष विजयराज अग्रवाल का भी आयोजन समिति द्वारा स्वागत किया गया।

प्रतियोगिता को सफल बनाने में आयोजन समिति अध्यक्ष नरेंद्र जैन, उपाध्यक्ष शब्बीर हसन, सचिव राजेश जैन समेत अमित मित्तल, राजकुमार यादव, उग्रसेन केशरी, अविनाश सहवाल (मिक्की), हर्ष दनौदिया, हमीद, कासिम, सौरभ, सुमित, साहिल, अमरदीप, नितेश, अविनाश (कल्लू), सद्दाम, इमरान (इम्मु), राजकुमार पासवान, राजकुमार रवि, रवि राज, आदित्य, अमन, वंश, दीपक भारती, पप्पू विश्वकर्मा, आरिफकी टीम सक्रिय है।

उद्घाटन मैच में एकेडमिक ईगल की टीम विजेता,,,,- प्रतियोगिता का पहला मैच एकेडमिक ईगल्स बिश्रामपुर व ब्लाक चैन ब्लास्टर (बाई मिस्टर मिंट) सरगुजा के मध्य खेला गया। एकेडमिक ईगल्स के कप्तान राजेश टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए एकेडमिक ईगल्स की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में 8 विकेट होकर 99 रन बनाए। निर्धारित सौ रन के लक्ष्य का पीछे करने उतरी ब्लॉकचेन ब्लास्ट की टीम मात्र 22 रन ही बना सकी। इस तरह पहले मैच में अकादमिक ईगल्स की टीम 77 रनों से विजेता रही।

मैन ऑफ द मैच रहे अविनाश कुशवाहा,,,,- मैच में विजेता टीम एकेडमिक ईगल्स के होनहार खिलाड़ी अविनाश कुशवाहा का मैच घोषित किया गया। उन्होंने 22 गेंद में शानदार 39 रन बनाए और दो विकेट झटके।

मैच के दूसरे दिन के पहले मैच में पुलिस फाइटर सूरजपुर तथा दूसरे मैच रिकवरी रेंजर्स की टीम विजयी रही।

संक्षिप्त समाचार

प्रश्न बैंक निर्माण के लिए एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

जशपुर(विश्व परिवार)। जिला कलेक्टर रोहित व्यास के मार्गदर्शन में संचालित कार्यक्रम के तहत जिले के शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं के बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता उन्नयन हेतु सभी विषयों के प्रश्न बैंक निर्माण हेतु रिसोर्स पर्सन्स की एक दिवसीय कार्यशाला संकल्प शिक्षण संस्था संपन्न हुई। इस अवसर पर नोडल अधिकारी विनोद गुप्ता ने कार्यशाला में उपस्थित रिसोर्स पर्सन्स को कहा कि बोर्ड परीक्षा में पासिंग परसेंटेज शत प्रतिशत लाने की चुनौती हमारे समक्ष है और हमारे लिए यह खुशी की बात है कि हमारा जिला इसके बहुत करीब पहुंच चुका है। इस वर्ष चुनौती अपेक्षा कृत बड़ी है। अत: सभी विषय के रिसोर्स पर्सन अपनी प्रतिभा और अनुभव से सर्वश्रेष्ठ प्रश्न बैंक का निर्माण करें। कार्यशाला में कक्षा 10 वीं एवं कक्षा 12 वीं के सभी विषयों का प्रश्न बैंक निर्माण बोर्ड के ब्लू प्रिंट के अनुसार किया जाना है। उन्होंने कहा कि रिसोर्स पर्सन्स द्वारा निर्मित प्रश्न बैंक से जिले के विद्यालयों में कक्षा 10 वीं एवं कक्षा 12 वीं में अध्यनरत विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। प्रश्न बैंक में ऐसे प्रश्नों का समावेश करे जिससे बच्चों को लाभ मिले। उन्होंने कहा कि सभी माध्यमिक शिक्षा मंडल के ब्लू प्रिंट को ध्यान में रखते हुए ही प्रश्न बैंक का निर्माण करेंगे। इसी प्रश्न बैंक के माध्यम से बोर्ड परीक्षा के विद्यार्थियों को जनवरी माह के प्रथम सप्ताह से प्रारंभ होने वाले मिशन 40 डेज़ के दौरान लिखित अभ्यास कराया जाएगा। उन्होंने सभी रिसोर्स पर्सन को प्रश्न बैंक की गुणवता पर विशेष ध्यान रखने के लिए कहा क्योंकि जिले के अच्छे बच्चों को मुख्य रूप से महत्वपूर्ण वस्तुनिष्ठ और अतिलघुत्तरीय प्रश्नों का चार से पांच बार लिखित अभ्यास कराया जाना है। ऐसे विद्यार्थी दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों को हल करने में कठिनाई अनुभव करते है इसलिए अच्छे बच्चों के स्तर को ध्यान में रखते हुए प्रश्नों के साथ ही आदर्श उत्तर तैयार करें। गुप्ता ने कहा कि बोर्ड परीक्षा उपरांत इस प्रश्न बैंक की समीक्षा भी जाएगी। इसका लाभ बच्चों को कितना प्राप्त हुआ है जिससे अगले वर्ष की योजना बनाने में सहायता मिल सके। कार्यशाला में सदस्य संजीव शर्मा, संजय दास, राजेंद्र प्रेमी सहित 50 से अधिक रिसोर्स पर्सन्स उपस्थित थे ।

चोरी के ब्रेकर मशीन के साथ युवक गिरफ्तार

सक्ती(विश्व परिवार)। यह मामला सक्ती जिले का हैं। जहा साकिन नगझर व्यक्ति एक चन्द्रा केशर उद्योग चलाता है। जिन्होंने शिकायत दर्ज कर अजीत यादव पर आरोप लगाया हैं। दरअसल आरोपी अजीत यादव, जो माइनिंग खनन कार्य के लिए पोकलेन मशीन का ठेका कार्य कर रहा था, उद्योग की पत्थर तोड़ने की ब्रेकर मशीन चोरी कर ली। बरसात के समय खनन कार्य बंद होने पर आरोपी ने अन्यत्र जाने का बहाना बनाकर मशीन चुरा ली। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। आरोपी का पता लगाते हुए टीम ने उसे शहडोल से गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपराध स्वीकार किया, और चोरी की गई मशीन बरामद कर ली गई। मशीन की कीमत कीमत ?8,00,000 बताई जा रही। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी अजीत यादव को जेएमएफसी न्यायालय में पेश किया गया। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

छठ पूजा के दिन रहस्यमय ढंग से लापता किशोरी का नहीं मिला सुराग

कोरबा(विश्व परिवार)। छठ पूजा के दिन 8 नवंबर को लक्ष्मणबन से रहस्यमय ढंग से लापता किशोरी का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। किशोरी के पिता ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट लिखाने के बाद अब पुलिस कप्तान को पत्र प्रेषित कर पतासाजी में मदद की गुहार लगाई है। एसपी को लिखे पत्र में किशोरी के पिता राजेश साहू ने बताया कि वह लक्ष्मणबन तालाब मोहल्ला का निवासी है तथा फूल बेचने का काम करता है। 8 नवंबर को छठ त्योहार होने के कारण वह अपनी पत्नी व अन्य बच्चों के साथ हसदेव नदी गया था जबकि बड़ी पुत्री खुशबू घर पर ही थी। पूजा करके जब वे वापस आए तो घर का दरवाजा खुला था और उसकी पुत्री लापता थी। आसपास के लोगों, रिश्तेदारों व पुत्री के सहेलियों के यहां पता लगाने पर भी जब वह नहीं मिली तो कोतवाली थाने में जाकर उसके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने गुम इंसान कायम किया। आशंका है कि उसकी पुत्री को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर कहीं लेकर चला गया है। जिसके संबंध में अपने स्तर पर रेलवे स्टेशन का फुटेज चेकअप करवाए गए जिसमें वह लाल टॉप नीचे पीले रंग का प्लाजो व उसके उपर पीला साड़ी पहनकर जाते हुए दिख रही है। परिवार में चिंता है। उसकी मां का रो-रोकर बुरा हाल है एवं स्वास्थ्य भी खराब हो गया है। पुत्री के लापता हुए लगभग एक माह होने जा रहा है लेकिन कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

कलेक्टर ने एसईसीएल के सीएसआर मद के कार्यो की समीक्षा एवं विस्तृत जानकारी ली

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- जिले के विकास कार्यों के लिए एसईसीएल सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम (सीएसआर) मद से जनहित के बेहतर कार्यों की प्राथमिकता तय कर, योजनाबद्ध तरीके से उसे मूर्त रूप देना सुनिश्चित करे, जिससे जनहित के जरूरत के अनुरूप कार्य किए जा सकें। उक्ताशय के निर्देश कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में एसईसीएल सीएसआर मद के बेहतर उपयोग हेतु आयोजित बैठक में दिए। इसके साथ ही सीएसआर मद से होने वाले कार्य में पारदर्शिता के लिए नागरिक सूचना अनिवार्य रूप से लगाये जाने का कार्य संबंधित एजेंसियों द्वारा किया जाये, इस बात पर विशेष बल दिया।

बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्री नरेंद्र पैकरा, एसडीएम श्रीमती शिवानी जायसवाल, एसईसीएल से बी सी शेट्टी महा प्रबंधक कार्मिक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने एसईसीएल के संबंधित अधिकारियों को सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम के तहत एसओपी तैयार करने तथा उपलब्ध बजट के अनुसार प्रस्ताव के कार्यों की प्राथमिकता तय कर, कार्य कराये जाने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने स्वास्थ्य के क्षेत्र में विस्तार व सीएसआर मद के तहत चल रहे कार्यों की जानकारी ली, इसके साथ ही प्राथमिकता वाले कार्यो को शीघ्र पूर्ण करने हेतु दिशा निर्देश दिए इसके साथ ही उन्होंने घनी आबादी वाली बस्तियों में जहां अंधे मोड़ है,वहाँ उन्होंने रोशनी व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही ताकि सड़क दुर्घटनाओं को नग्णय किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने प्रशासन से संबंधित एसईसीएल के विभिन्न एजेंण्डा पर चर्चा की।

मृदा दिवस पर नवोदय विद्यालय कोरबा ने किसानों के खेतों की मिट्टी परीक्षण कर प्रमाण पत्र सौंपे

मृदा दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

कोरबा(विश्व परिवार)। स्थानीय पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय कोरबा ने मृदा दिवस के अवसर पर एक अनोखी पहल की है। विद्यालय के 151 छात्रों और शिक्षकों ने मिलकर 50 किसानों के खेतों की मिट्टी का परीक्षण किया। विद्यालय के मीडिया प्रभारी शिक्षक संतोष कुमार चैरसिया ने बताया कि कृषि मंत्रालय के निर्देश पर विद्यालय स्तर पर चार शिक्षक सदस्य और 151 बच्चो की समिति गठित किया गया जिन्होंने छुरी कला, बिशुनपुर, सलोरा, धनरास आदि गांव में भ्रमण कर 50 किसानों के खेतो की मिट्टी एकत्रित कर उसे कृषि मंत्रालय से प्राप्त किट और कृषि महाविद्यालय के अनुभवी प्रोफेसर की मदद से मृदा परीक्षण किया गया। इस अभियान का उद्देश्य किसानों को उनकी मिट्टी की गुणवत्ता के बारे में जागरूक करना और उन्हें मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के लिए आवश्यक सलाह देना था।विद्यालय के प्रधानाचार्य शांति मोहंती ने कहा, मृदा दिवस के अवसर पर हमने यह अभियान चलाया है। हमारा उद्देश्य किसानों को मिट्टी की गुणवत्ता के बारे में जागरूक करना और उन्हें मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के लिए आवश्यक सलाह देना है।इस अभियान में विद्यालय के छात्रों और शिक्षकों में मुख्यरूप से संतोष चैरसिया, इंदु वर्मा, अनिमा लकड़ा, लालचंद सोनटके ने मिलकर किसानों के खेतों की मिट्टी का परीक्षण किया और उन्हें मिट्टी की गुणवत्ता के बारे में जानकारी दी और उन्हें प्रमाण पत्र भी वितरित किया गया। यह अभियान किसानों के लिए बहुत उपयोगी साबित हुआ है और उन्हें मिट्टी की गुणवत्ता के बारे में जागरूक करने में मदद की है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से अन्ना बाई को मिली किराए के घर से मुक्ति

रायगढ(विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना निम्न वर्ग के लोगों की जीवन को बदलने में अहम भूमिका निभा रही है। वहीं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में योजना के बेहतर क्रियान्वयन के फ्लस्वरुप आज छत्तीसगढ़ के लोगों को योजना का लाभ भी मिल रहा है। जिससे आज कच्चे मकान पक्के मकान में तब्दील हो रहे है और आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद लोगों के स्वयं के घर का सपना भी पूरा हो रहा है। ऐसी ही कहानी नगर पालिक निगम रायगढ़ अंतर्गत वार्ड क्रमांक-42 अमलीभौना निवासी अन्ना बाई की है। वह बताती है कि विधवा है एवं रोजी मजदूरी का कार्य करती है उसके साथ बेटा भी रहता है। बेटे की मजदूरी से जो भी कमाई होती है, उससे उनका गुजर बसर हो पाता है। कमाई से बहुत कम बचत हो पाता था। वे किराये के मकान में रहते थे क्योंकि उनका कच्चे मकान की हालत बहुत जर्जर हो गई थी, जो कभी भी टूटकर गिर सकता था। बारिश के समय वहीं हुआ जिसका उन्हें डर था, मकान टूटकर गिर गया। उनके पास स्वयं की पट्टे की जमीन होने के बाद भी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने से पक्का मकान बनाना क्या सोचना भी मुश्किल था।

पति ने पत्नी की हत्या कर दो बेटियों को किया घायल फिर खुदकुशी करने काट ली अपनी नस

कोरबा(विश्व परिवार)। लंबे समय से आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे एक कमजोर परिवार को पड़ोसियों ने मानवीयता के आधार पर संकट से उबारने की कोशिश की लेकिन नाकाम रहे। लगातार पेश आ रही चुनौतियों से छुटकारा पाने के लिए टेलरिंग कारोबारी ने अपने साथ पूरे परिवार को समाप्त करने के इरादे से खौफ्नाक कदम उठा लिया। इस घटना में पत्नी की मौत हो गई जबकि दो बेटियां गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं पति ने अपनी नस काटकर खुदकुशी करनी चाही। इस कारनामे से दर्री क्षेत्र में हैरानी के साथ शोक की स्थिति है। पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पीडितों को मेडिकल कॉलेज हास्पिटल में भर्ती कराया गया है। इस घटना के सूत्रधार टेलरिंग व्यवसायी मनोज साहू के खिलाफ पुलिस ने बीएनएस की धाराओं के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया है। वर्ष के अंतिम महीने के प्रथम सप्ताह के शुक्रवार-शनिवार की मध्य रात्रि हुई इस घटना ने लोगों को सोचने के लिए मजबूर कर दिया। घटना की जानकारी सुबह हुई। जब मालूम हुआ कि कपड़े सिलने के व्यवसाय से जुड़े मनोज साहू ने अपनी पत्नी सतरूपा साहू की गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी। इसके साथ ही उसने दो बेटियों परिधि 17 व काव्या 12 वर्ष पर प्राणघातक हमला किया जो देवयोग से बच गई। घर पर किए गए इस कारनामे के दौरान मनोज की मानसिकता स्पष्ट थी। इसलिए उसने खुद को भी समाप्त करने की ठानी और इसी इरादे से हाथ की नस काट ली। उसका प्लान अपनी देने का था ताकि पूरा किस्सा खत्म हो जाए।

नवगठित नगर पंचायत शिवनंदनपुर की सीमा पूर्व की ग्राम पंचायत की सीमा ही रहेगी

नागरिकों एवं राजस्व अधिकारियों की संयुक्त बैठक में आम सहमति बनी

गोपाल सिंह विद्रोही

बिश्रामपुर(दैनिक अमर स्तंभ न्यूज़ ,)- नवगठित नगर पंचायत शिवनंदनपुर कि सीमा तय करने के लिए आज नागरिकों एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक आहूत की गई जिसमें सर्व समिति से निर्णय लिया गया कि ग्राम पंचायत शिवनंदनपुर की सीमा ही नगर पंचायत शिवनंदनपुर की सीमा होगी ।

आज नवगठित शिवनंदनपुर नगर पंचायत की सीमा तय करने नागरिकों एवं राजस्व विभाग कि अधिकारियों के बीच नगर पंचायत शिवनंदनपुर कि बैठक की गई जिसमें सर्व समिति से निर्णय लिया गया कि पूर्व की ग्राम पंचायत शिवनंदनपुर की सीमा ही नवगठित नगर पंचायत के की सीमा होगी। इस प्रस्ताव पर नगर पंचायत के चुने हुए जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिकों ने तालियां बजाकर स्वागत किया ।

आज की सीमा तय करने के उद्देश्य से बुलाई गई अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक में नायब तहसील पिलखा श्रीमती मीना सिंह, विश्रामपुर नगर पंचायत के सीएमओ सुशील तिवारी, परवेज आलम सहित पटवारी सतीश सिंह, संतोष सिंह, तात्कालिक सचिव धनेश्वर प्रसाद प्रजापति, जनप्रतिनिधियों में रमेश दनोदिया ,ललित गोयल ,बलराम शर्मा, धर्मेंद्र गुप्ता ,रामलाल सोनी, कृष्ण कुमार बलू अग्रवाल, मनी बग्गा, प्रमिला साहू, अमरलाल साहू ,अनीता साहू, दीपेंद्र सिंह चौहान, कमलेश चौबे, राघवेंद्र दुबे, श्यामू साहू , जानू बग्गा, गोपाल सिंह विद्रोही सहित काफी संख्या में जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि पूर्व के ग्राम पंचायत शिवनंदनपुर की 2011 जनगणना के अनुसार 6567 जनसंख्या थी जो अब लगभग 13 000 हजार हो गई है। मतदाता लगभग 5270 है ,वार्ड 20 थे जो नगर पंचायत बनने के बाद 15 होना है। 15 नवीन वार्ड का सीमांकन भी होना है आज इसी कड़ी में नगर पंचायत की सीमाओं एवं वार्ड की सीमाओं से संबंधित बैठक रखी गई थी, जिसमें जनप्रतिनिधियों ने शांतिपूर्ण बैठक में हिस्सा लिया और नगर पंचायत बनाए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की । नवीन नगर पंचायत के अध्यक्ष कृष्ण कुमार अग्रवाल एवं उपाध्यक्ष श्यामू साहू बनाए गए है। ग्राम पंचायत पंचायत शिवनंदनपुर को नगर पंचायत शिवनंदनपुर बनाने के लिए लंबे समय से नागरिकों ने मांग करते आ रहे थे ।जिस पर गंभीरता दिखाते हुए भाजपा की प्रदेश सरकार की महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने विशेष रुचि दिखाते हुए ग्राम पंचायत को नगर पंचायत का दर्जा दिलाई तथा नगर पंचायत के कार्यों का सुचारू रूप से संचालन के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय रायपुर के संयुक्त सचिव रेणुका श्रीवास्तव ने पिछले 5 दिसंबर को समिति का गठन किया तथा समिति के अध्यक्ष कृष्ण कुमार अग्रवाल, तथा उपाध्यक्ष श्यामू साहू तथा अन्य सदस्यों में शिति कांत स्वाई,धर्मेंद्र गुप्ता, अनीता साहू, मनी बग्गा, प्रमिला साहू को नियुक्त किया है जो नवगठित नगर पंचायत का कार्य देखेंगे। इस संबंध में अध्यक्ष कृष्ण कुमार बल्लू ने बताया कि सभी के सहयोग, बड़ों के आशीर्वाद, छोटे का स्नेह एवं सभी के मार्गदर्शन में उनकी उम्मीदों पर खरा उतारने हेतु अच्छा काम करेंगे इसके लिए सभी का आशीर्वाद सहयोग एवं मार्गदर्शन लेते रहेंगे।

संपादकीय

टिकाऊ हल की तलाश

प्रदूषण से भारत की छवि को नुकसान पहुंचा है। दिल्ली में हर साल औसतन 275 दिन खराब हवा दर्ज की जाती है। ये मुश्किलें स्पष्ट हैं। फिर भी टिकाऊ हल की तलाश का कोई गंभीर प्रयास होते हम नहीं देख रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में छाया जहरीला धुआं इस महीने की प्रमुख खबरों में रहा है। इस बीच यह जिक्र भी हुआ है कि एनसीआर की बदहाली तो फिर भी सुर्खियों में आ जाती है, लेकिन देश के बहुत-से शहरों के प्रदूषण पर शायद ही कभी ध्यान जाता है, जबकि वहां हाल किसी रूप में बेहतर नहीं है। फिर प्रदूषण पर चर्चा अक्सर स्वास्थ्य के नजरिए से होती है- जबकि अर्थव्यवस्था पर होने वाले खराब असर पर अक्सर बात नहीं होती। जबकि हकीकत यह है कि इसका अर्थव्यवस्था पर भी भारी असर हो रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रदूषण से हर साल देश की जीडीपी के लगभग तीन प्रतिशत हिस्से का का नुकसान हुआ है। डलबर्ग नाम की ग्लोबल कंसल्टेंसी फर्म ने यह अनुमान लगाया था। बेशक प्रदूषण के नुकसान को पैसों में नहीं तोला जा सकता। फिर भी इसकी आर्थिक कीमत भी बहुत महंगी है, यह साफ है। सघन प्रदूषण के समय दफ्तरों का बंद होना, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण लोगों का काम पर ना जा पाना, बीमारियों के इलाज, समय से पहले मौत, और इन सबके परिवारों पर पडऩे वाले असर की कीमत बेहद महंगी है। बाजार विशेषज्ञों की राय में प्रदूषण का उपभोक्ता अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ा है। इसकी वजह से इस सीजन में लोग बाजारों और रेस्तराओं में कम जाते हैं। दिल्ली पर गौर करें, तो जो इस समस्या के कारण राष्ट्रीय राजधानी को अपनी जीडीपी के छह फीसदी हिस्से का नुकसान हर साल हो रहा है। तजुर्बा यह है कि सेहत को लेकर सजग लोग बाहर निकलने से बचते हैं, जिससे व्यापार प्रभावित होता है। पर्यटन उद्योग पर भी इसका असर पड़ा है। सर्दियों के मौसम में ज्यादातर विदेशी पर्यटक भारत आते रहे हैं। लेकिन अब धुंध की वजह से वे अपना प्रोग्राम टाल देते हैं। इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूअर ऑपरेटर्स के मुताबिक प्रदूषण से भारत की छवि को नुकसान पहुंचा है। दिल्ली में हर साल औसतन 275 दिन खराब हवा दर्ज की जाती है। ये मुश्किलें स्पष्ट हैं। फिर भी टिकाऊ हल की तलाश का कोई गंभीर प्रयास होते हम नहीं देख रहे हैं।

भारतीय संविधान में कलात्मकता

गजेंद्र सिंह शेखावत

हमारा भारत देश संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत का एक जीता जागता अनुभव है। इसके इतिहास को सरल शब्दों में व्यक्त करना अत्यंत कठिन है। इससे भी अधिक कठिन है पांच हजार से अधिक वर्षों की सभ्यता के इतिहास को एक दस्तावेज़ के रूप में व्यक्त करना, जो देश की स्वतंत्रता के समय एक नए स्वतंत्र हुए राष्ट्र के भाग्य का मार्गदर्शन करने वाला हो। लेकिन आचार्य नंदलाल बोस केवल एक कलाकार नहीं थे और भारत के संविधान पर चित्रण उनके लिये केवल एक और कार्य नहीं था। संविधान में चित्रण के लिए उनकी दृष्टि हड़प्पा सभ्यता के समय से लेकर स्वतंत्रता प्राप्ति के समय तक भारत की यात्रा का वर्णन करती है। यह सभी चित्रण संविधान के अंतिम पृष्ठ पर सूचीबद्ध हैं और उन्हें बारह ऐतिहासिक काल में वर्गीकृत किया गया है: मोहनजोदड़ो काल, वैदिक काल, महाकाव्य काल, महाजनपद और नंद काल, मौर्य काल, गुप्त काल, मध्यकालीन काल, मुस्लिम काल, ब्रिटिश काल, भारत का स्वतंत्रता आंदोलन, स्वतंत्रता के लिए क्रांतिकारी आंदोलन और प्राकृतिक विशेषताएँ। संविधान की शुरुआत हमारे राष्ट्रीय प्रतीक के चित्रण से होती है। नंदलाल बोस इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट थे कि प्रतीक में शेर बिल्कुल असली शेरों की तरह दिखें, उनकी चाल और चेहरे के हाव-भाव सही हों और आयु के हिसाब से उनमें बदलाव हो। राष्ट्रीय प्रतीक के डिजाइनर दीनानाथ भार्गव, जो उस समय कला भवन में एक युवा छात्र थे, इस कलाकृति को चित्रित करने से पहले शेरों के हाव-भाव, शारीरिक भाषा और तौर-तरीकों का अध्ययन करने के लिए महीनों तक कोलकाता चिड़ियाघर गए। प्रस्तावना पृष्ठ और कई अन्य पृष्ठों को बेहर राममनोहर सिन्हा ने डिजाइन किया था। नंदलाल बोस ने बिना किसी बदलाव के प्रस्तावना हेतु सिन्हा जी की बनाई कलाकृति का समर्थन किया। इस पृष्ठ पर निचले दाएं कोने में देवनागरी में सिन्हा का संक्षिप्त हस्ताक्षर राम है। संविधान की प्रस्तावना एक हाथ से लिखा हुआ लेख है जो आयताकार बॉर्डर से घिरा हुआ है। बॉर्डर के चार कोनों में चार पशुओं को दर्शाया गया है। दर्शाए गए चार जानवर भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के आधार से लिए गए हैं। बॉर्डर की कलाकृति में कमल की आकृति

प्रमुखता से दिखाई देती है। कमल की आकृति बॉर्डर कलाकृति में प्रमुखता से दिखाई देती है। संविधान का प्रत्येक भाग एक चित्र से आरंभ होता है और अलग-अलग पृष्ठों पर अलग-अलग बॉर्डर डिज़ाइन दर्शाए गए हैं। कलाकारों के हस्ताक्षर चित्र पर और बॉर्डर के पास दिखाई देते हैं जो इस प्रोजेक्ट में सभी के सहयोग को दर्शाता है। अनेक पृष्ठों पर कई हस्ताक्षर हैं जो बंगाली, हिंदी, तमिल और अंग्रेजी में दिखाई देते हैं। भारत के संविधान के भाग 19 में विविध विषयों से संबंधित एक चित्र है जिसमें नेताजी सैन्य पोशाक में अपने सैनिकों से घिरे हुए सलामी दे रहे हैं। नंदलाल बोस के हस्ताक्षर चित्रण पर दिखाई देते हैं और ए. पेरुमल के हस्ताक्षर पृष्ठ के बाएं निचले कोने पर दिखाई देते हैं। वे कला को लोगों तक ले जाने वाले कलाकार के रूप में प्रसिद्ध हुए। वे शांतिनिकेतन के गाँवों में जाते और संथाल घरों की दीवारों को जानवरों, पक्षियों और पेड़ों वाली प्रकृति की थीम से सजाते। वे शांतिनिकेतन के कला भवन में चार दशकों से अधिक समय तक नंदलाल बोस जैसे महान कलाकारों के साथ रहे और काम किया, उन्हें स्नेह से पेरुमलदा कहा जाता था। संविधान का भाग 4, जो प्रथम अनुसूची के भाग, में राज्यों से संबंधित है, वह ध्यान में बैठे भगवान महावीर की समृद्ध रंगीन चित्र से शुरू होता है, जिसमें वे अपनी आँखें बंद करके और हथेलियाँ एक दूसरे पर टिकाकर बैठे हुए हैं। भगवान महावीर के दोनों ओर एक-एक पेड़ हैं और फ्रेम में एक मोर भी दिखाई दे रहा है जो प्रकृति में सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व को दर्शाता है।

यह मूल संविधान के कुछ रंगीन चित्रों में से एक है। रंगीन चित्रों में जमुना सेन और नंदलाल बोस के हस्ताक्षर हैं। इस पृष्ठ पर बॉर्डर डिज़ाइन में राजनीति नामक कलाकार के हस्ताक्षर भी हैं। भारतीय संविधान का भाग 15 चुनावों पर केंद्रित है। इस पृष्ठ पर दिए गए चित्रों में भारत के दो वीर सपूत छत्रपति शिवाजी महाराज और गुरु गोविंद सिंह को दिखाया गया है। इस पृष्ठ पर दिए गए चित्र धीरेंद्र कृष्ण देब बर्मन द्वारा बनाए गए हैं, जो त्रिपुरा राजघराने के सदस्य थे और रवींद्रनाथ टैगोर और नंदलाल बोस के साथ उनके घनिष्ठ संबंध थे। बॉर्डर डिज़ाइन पर कृपाल सिंह शेखावत के हस्ताक्षर हैं, जो भारत के एक प्रसिद्ध कलाकार और मिट्टी के बर्तन बनाने वाले थे, जिन्हें जयपुर की प्रतिष्ठित ब्लू पॉटरी की कला को पुनर्जीवित करने के लिए जाना जाता है। शांतिनिकेतन में ललित कला संस्थान कला भवन ने भारत और दुनिया के सभी कोनों से छात्रों और कलाकारों को आकर्षित किया, इस प्रकार विभिन्न प्रभावों को समाहित करते हुए उत्कृष्टता की निरंतर खोज करते हुए एक इकोसिस्टम निर्मित किया और अंत में, एक अनूठी भारतीय शैली और कला निर्मित की। इस पर काम करने वाले कई कलाकारों ने अपने करियर में महान ऊंचाइयों को हासिल किया, लेकिन इस परियोजना के समय शांतिनिकेतन के छात्र और सहयोगी ही थे जो अपने श्रद्धेय 'मास्टर मोशाय' नंदलाल बोस के सपने को जीवंत करने के लिए प्रयत्नशील थे। संविधान में चित्रों की प्रेरणा भारत के विशाल इतिहास, भौतिक परिदृश्य, पौराणिक चित्र और स्वतंत्रता संग्राम में निहित है। भारत के संविधान का भाग 13 'भारतीय क्षेत्र में व्यापार, वाणिज्य और उनके परस्पर संबंधो' से संबंधित है। इस पृष्ठ पर दिया गया चित्रण महाबिलापुरम में स्मारकों के समूह का हिस्सा है जो यूनेस्को द्वारा अंकित विश्व धरोहर स्थल है। 'गंगा का अवतरण' एक बड़ी, खुली हवा में बनी चट्टान की नक्काशी वाली मूर्ति है जो स्वर्ग से धरती पर गंगा नदी के उतरने के कथा को पत्थर में दर्शाती है। नंदलाल बोस के हस्ताक्षर चित्र पर दिखाई देते हैं और जमुना सेन का नाम बॉर्डर के बाएं निचले कोने पर दिखाई देता है। भाग 3 जो मौलिक अधिकारों से संबंधित है, उसमें रामायण का एक दृश्य दिखाया गया है। इस पृष्ठ के बॉर्डर पर जमुना सेन के हस्ताक्षर हैं। भाग 4 जो राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों से संबंधित है, उसमें महाभारत का एक दृश्य दिखाया गया है। बानी पटेल और नंदलाल बोस के नाम दाईं ओर नीचे दिए गए चित्रण पर दिखाई देते हैं और विनायक शिवराम मसोजी का नाम बॉर्डर के बाएं कोने पर दिखाई देता है। संविधान का भाग 7 'पहली अनुसूची के भाग बी में शामिल राज्यों' से संबंधित है। इस खंड की शुरुआत में दिए गए चित्रण में सम्राट अशोक द्वारा बौद्ध धर्म के प्रसार को दर्शाया गया है। उन्हें हाथी पर सवार दिखाया गया है, जो सभी तरह के साज-सज्जा से सुसज्जित है और बौद्ध भिक्षुओं से घिरा हुआ है। यह चित्रण अजंता की शैली में है, जिसमें भिक्षुओं को शरीर के ऊपरी हिस्से को बिना वस्त्रों और आभूषणों के साथ दिखाया गया है। यह चित्रण नंदलाल बोस द्वारा किया गया था, जिनका काम अजंता भित्तिचित्रों में पाई जाने वाली कलात्मक परंपराओं से बहुत प्रभावित था। चित्रण के निचले बाएँ भाग पर ए. पेरुमल का नाम भी दिखाई देता है। बॉर्डर डिज़ाइन में ब्योहर राममनोहर सिन्हा के हस्ताक्षर हैं, जिन्होंने प्रस्तावना और कई अन्य पृष्ठों को भी डिज़ाइन किया था। यहाँ उन्होंने हिंदी में राममनोहर के रूप में हस्ताक्षर किए हैं। यह संविधान के उन कुछ पन्नों में से एक है, जिस पर नंदलाल बोस और उनके सबसे वरिष्ठ छात्र ब्योहर राममनोहर सिन्हा दोनों के नाम हैं। भारत का संविधान इस मायने में अनूठा है कि यह मूल रूप से एक हस्तलिखित दस्तावेज़ था। इसे अंग्रेजी में प्रेम बिहारी रायज़ादा और हिंदी में वसंत के. वैद्य ने सुलेखित किया था।

आलेख

अमेरिका का भविष्य सवालों में घिरा

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

ऐतिहासिक राजनीतिक वापसी के बाद आत्मविश्वास से भरे डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका फर्स्ट योजना को साकार करने को संकल्पित हैं। ट्रंप ने जिन सहयोगियों को अपनी कैबिनेट का हिस्सा बनाया है, उससे भविष्य के अमेरिका की बदली हुई और नई छवि उभर कर आने के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि आशाओं और आकांक्षाओं से भरपूर ट्रंप की कैबिनेट को लेकर आशंकाएं भी कम नहीं हैं। ट्रंप आर्थिक सहयोग पर आधारित रणनीतिक भागीदारियों को अमेरिकन जनता के पैसों का दुरुपयोग समझते हैं, और इन्हें गैर-जरूरी बताते हैं। ट्रंप ने नाटो में अमेरिकी भागीदारी पर पुनर्विचार करने और कुछ अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को कम करने का सुझाव दिया है। ट्रंप ने मार्को रूबियो को विदेश मंत्री बनाया है। रूबियो ने अमेरिका फर्स्ट दृष्टिकोण के साथ ही वैश्विक मंच पर अमेरिका का सम्मान पुन: हासिल करने का वादा किया है। वे चीन, ईरान और क्यूबा सहित अमेरिकी भू-राजनीतिक दुश्मनों के संबंध में सशक्त विदेश नीति की वकालत करते हैं। भारत के लिए उनके विचार बेहद सकारात्मक हैं, जो अमेरिकी विदेश नीति में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए भारत को जापान, इस्त्राइल, दक्षिण कोरिया और नाटो के समकक्ष रखने की बात कहते हैं। रूबियो पाकिस्तान की आतंकवाद को बढ़ावा देने की कोशिश के चलते उसे दी जाने वाली सुरक्षा सहायता रोकने के हिमायती हैं। रूबियो इस्त्राइल को मदद बढ़ा कर ईरान को सबक सिखाने के हिमायती हैं। इसका असर मध्यपूर्व में देखने को मिल सकता है। ट्रंप ने अरकंसास के पूर्व गवर्नर माइक हकबी को इस्त्राइल में अमेरिकी राजदूत के रूप में नामित किया है। हकाबी इस्त्राइल के कट्टर समर्थक हैं, और कब्जे वाले पश्चिमी तट पर इस्त्राइली बस्तियों के रक्षक हैं, जिन्हें अधिकांशत: अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा अवैध माना जाता है। इस्लामिक ऑर्गेनाइजेशन के सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और बेहरीन जैसे अमेरिका के रणनीतिक सहयोगी ईरान पर इस्त्राइल के हमलों की आलोचना कर चुके हैं। यूएई ने इस्लामिक ऑर्गेनाइजेशन के सम्मेलन में कहा था कि ट्रंप प्रशासन के साथ एक व्यापक दृष्टिकोण रखने की जरूरत है, प्रतिक्रियावादी और टुकड़े-टुकड़े वाली नीति से काम नहीं चलेगा। इन स्थितियों में नये विदेश मंत्री और अमेरिकी राजदूत माइक हकबी के सामने मध्यपूर्व में अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए संतुलन बनाने की बड़ी चुनौती होगी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पद के लिए ट्रंप ने माइक वाल्ट्ज पर भरोसा जताया है। वाल्ट्ज ने नेशनल गार्ड में कर्नल के रूप में भी काम किया है, उन्होंने एशिया प्रशांत क्षेत्र में चीनी गतिविधियों की आलोचना की है, और इस क्षेत्र में संभावित संघर्ष के लिए अमेरिका को तैयार रहने की आवश्यकता पर जोर दिया है। अमेरिका की वैदेशिक नीति के प्रतिनिधित्व में चीन का विरोध दिखाई पड़ रहा है। मतलब साफ है चीन और अमेरिका के बीच प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी तो दोनों देशों के बीच तनाव भी बढ़ेगा। चीन हांगकांग पर प्रतिक्रिया को लेकर रूबियो से पहले ही चिढ़ा हुआ है, और उन पर कई प्रतिबंध लगा चुका है। ट्रंप ने लाखों अप्रवासियों को लक्षित करते हुए अब तक का सबसे व्यापक निर्वासन प्रयास शुरू करने की कसम खाई है। अप्रवासन को रोकने के लिए वे किसी भी हद तक जाने की बात कह चूके हैं। लिहाजा, उन्होंने यह जिम्मा क्रिस्टी नोएम को सौंपा है। ट्रंप ने नोएम को अगले गृह सुरक्षा सचिव के रूप में चुना है, वे होमलैंड सुरक्षा विभाग, सीमा सुरक्षा और आव्रजन से लेकर आपदा प्रतिक्रिया और अमेरिकी सीक्रेट सर्विस तक हर चीज के लिए जिम्मेदार हैं। होमन देश की सीमाओं के भी प्रभारी होंगे। होमन अवैध आप्रवासियों को वापस भेजने को लेकर दृढ़ हैं। अप्रवासन को लेकर अमेरिका की कड़ी नीतियों से उसके संबंध लैटिन अमेरिका, मध्य एशिया और भारत से खराब हो सकते हैं। इसका असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था और रणनीतिक भागीदारियों पर भी पड़ सकता है। सीआईए प्रमुख के रूप में पूर्व अमेरिकी जासूस जॉन रैटिक्लफ ट्रंप की पसंद हैं। वे ट्रंप के वफादार समर्थक रहे हैं, और उन्हें खुफिया और राष्ट्रीय सुरक्षा पर उनके काम के लिए जाना जाता है। रैटिक्लफ ने खुफिया मामलों पर ट्रंप के शीर्ष सलाहकार के रूप में काम किया है, और ट्रंप के एजेंडे को बढ़ाने में भूमिका निभाई है। रैटिक्लफ ने अमेरिकी चुनावों में विदेशी हस्तक्षेप के प्रयासों को उजागर किया है तथा वे ईरान, चीन और रूस के मुखर आलोचक माने जाते हैं। अमेरिका और यूरोप के बीच बढ़तीं दूरियां, रूस-यूक्रेन युद्ध और मध्यपूर्व में अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमलों की आशंकाओं के बीच रैटिक्लफ अमेरिकी खुफिया परिदृश्य को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कम नहीं हैं दुश्वारियां, नई दिशा की जरूरत

अनुज आचार्य

कई बार बाहरी सैलानियों की हुड़दंगबाजी के किस्से कहानियां अखबारों की सुर्खियां बनती हैं तो कई दफा शरारती एवं शराबी तत्वों द्वारा पर्यटक वाहनों के साथ तोडफ़ोड़ की घटनाएं पर्यटकों के दिलों में भय उत्पन्न करती हैं। ऐसे में पर्यटक स्थलों पर सैलानियों और स्थानीय लोगों के मन में सुरक्षा की भावना का संचार करने के लिए हथियारबंद पुलिस कर्मियों एवं पुलिस की नियमित गश्त की व्यवस्था होनी चाहिए हिमाचल प्रदेश को प्रकृति ने भरपूर प्राकृतिक सुंदरता, स्वच्छ जल, जंगल, पहाड़, नदियों और स्वच्छ परिवेश से नवाजा है। हिमाचल प्रदेश में पर्यटन से रोजगार की अपार संभावनाएं हैं जिसके लिए प्रदेश में पिछले 50 वर्षों से इस दिशा में सभी सरकारें प्रयासरत रहती आई हैं। हिमाचल के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन का 7.5 फीसदी योगदान है, इसमें बढ़ोतरी की दरकार है। हिमाचल प्रदेश पर्यटन विभाग के पास इस समय कुल 4662 होटल और 4146 होमस्टे पंजीकृत हैं। पंजीकृत गाइड्स की संख्या 1314 और ट्रैवल एजेंसियों की संख्या 3297 है। वर्तमान समय में हिमाचल के होटलों में 154448 बिस्तरों की व्यवस्था है। वर्ष 2023 में हिमाचल प्रदेश में 15942118 भारतीय पर्यटक आए थे, जबकि 62806 विदेशी पर्यटकों ने भी हिमाचल की प्रकृति एवं वादियों को निहारा। इस प्रकार 2023 में हिमाचल प्रदेश में कुल 16004924 पर्यटक आए थे। इस साल दिसंबर 2024 तक हिमाचल प्रदेश में 1.16 करोड़ से ज्यादा पर्यटक आ चुके हैं। इनमें से 49523 पर्यटक विदेश से आए हैं। इस हिसाब से, साल 2024 में हिमाचल आने वाले पर्यटकों का आंकड़ा मार्च 2025 तक दो करोड़ पार करने की उम्मीद है। सुक्खू सरकार ने पर्यटकों के आंकड़े को पांच करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। पिछले दो महीनों से हिमाचल प्रदेश में पर्यटन विस्तार के दृष्टिकोण से कुछ अच्छी खबरें सुनने को नहीं मिल रही हैं। एक तो हिमाचल प्रदेश को टूरिज्म सेक्टर में बड़ा झटका लगा है। केंद्र ने स्पेशल असिस्टेंट टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट स्कीम के तहत 23 राज्यों को 3296 करोड़ जारी किए हैं, लेकिन इसमें हिमाचल प्रदेश का नाम ही नहीं है। इस पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अपने फेसबुक वॉल पर लिखा है कि केंद्र सरकार की भेदभावपूर्ण राजनीति ने हिमाचल की जनता को एक बार फिर शिकार बनाया है। उनके अनुसार केंद्र सरकार हिमाचल प्रदेश के विकास की यात्रा को अवरुद्ध करने की कोशिशें कर रही है। दूसरे हिमाचल सरकार ने पर्यटन निगम के घाटे में चल रहे कुछ होटलों को लेकर पूर्व आईएएस अधिकारी तरुण श्रीधर की एक सदस्यीय कमेटी गठित की थी, ताकि निगम के होटलों को लेकर छह महीनों में कमेटी की सिफारिशों की रोशनी में कुछ सुधार किया जा सके, परंतु तरुण श्रीधर ने मात्र एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रदेश सरकार को सौंप दी है। पर्यटन विकास निगम के कुल 56 होटल चल रहे हैं, लेकिन ज्यादातर होटल घाटे में हैं। इससे निगम अपने कर्मचारियों की सैलरी और पेंशनर को पेंशन नहीं दे पा रहा है। पेंशनर के सेवा लाभ का मामला भी कोर्ट में विचाराधीन है। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने घाटे के होटल बंद करने का फैसला सुनाया था और वहां के स्टाफ को दूसरे होटलों में शिफ्ट करने के लिए आदेश दिए थे। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा हिमाचल हाईकोर्ट की डबल बेंच में पुनर्विचार याचिका दायर करने के बाद अब सभी होटलों को 31 मार्च तक चलाने की समय सीमा निर्धारित की गई है। भारतवर्ष के लगभग सभी राज्यों में टूरिज्म विभाग के अधीन पर्यटन होटल चलाए जा रहे हैं। आम तौर पर पर्यटन निगम के होटलों के पास पर्याप्त खुली जमीन होती है, सेवाएं अच्छी और स्टाफ विनम्र होता है। हिमाचल प्रदेश के पर्यटन निगम को सिर्फ ऑक्यूपेंसी से ही होटलों की कमाई नहीं हो रही है, बल्कि बैंक्वेट हॉल, कैफे, रेस्टोरेंट और एंट्री फीस से भी करोड़ों की कमाई होती है। इतना ही नहीं, हिमाचल में रेड डी हिमालया, माउंटेन बाइकिंग, रिवर राफ्टिंग और बीड़ बिलिंग में पैराग्लाइडिंग जैसे साहसिक खेल पर्यटन से यहां के युवाओं को स्थायी रोजगार के विकल्प भी मिले हैं। आधुनिक युग में जबसे आवागमन के संसाधनों और लोगों के आर्थिक स्तर में वृद्धि हुई है, तो पर्यटन के आयाम ही बदल गए हैं। गैलप इंटरनेशनल की ताजा सर्वे रिपोर्ट में बताया गया है कि सुरक्षित देशों की सालाना सूची में भारत 29वें नंबर पर है, जबकि पिछले साल भारत की रैंकिंग 63वीं थी, यानी सुरक्षा मानकों के लिहाज से हमारे देश ने 34 पायदानों की लम्बी छलांग लगाई है। सिंगापुर लगातार दूसरे साल भी सबसे सुरक्षित देश है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) द्वारा प्रकाशित यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक (टीटीडीआई) 2024 रिपोर्ट के अनुसार भारत पसंदीदा पर्यटन गंतव्य यात्राओं की 119 देशों की सूची में 39वें स्थान पर है। हिमाचल प्रदेश पर्वतीय प्रदेश है और यहां की भौगोलिक परिस्थितियां औद्योगिक विस्तार एवं प्रगति की राह में कहीं न कहीं आड़े आती हैं, लेकिन पर्यटन एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जो न केवल हिमाचल की आर्थिकी को सम्बल देता है, बल्कि हमारे युवाओं के लिए रोजगार के रास्ते भी खोलता है। पर्यटन की राह में कुछ दुश्वारियां भी हैं। मसलन अतिक्रमण की मार के कारण तंग गलियां एवं सडक़ें जहां नियमित रूप से लगने वाले ट्रैफिक जाम को आमंत्रित करते हैं, तो वहीं पार्किंग की सुविधाएं न होना भी खलता है। कई बार बाहरी सैलानियों की हुड़दंगबाजी के किस्से कहानियां अखबारों की सुर्खियां बनती हैं तो कई दफा शरारती एवं शराबी तत्वों द्वारा पर्यटक वाहनों के साथ तोडफ़ोड़ की घटनाएं पर्यटकों के दिलों में भय उत्पन्न करती हैं। ऐसे में पर्यटक स्थलों पर सैलानियों और स्थानीय लोगों के मन में सुरक्षा की भावना का संचार करने के लिए हथियारबंद पुलिस कर्मियों एवं पुलिस की नियमित गश्त की व्यवस्था होनी चाहिए।

देश में स्कूल छात्रा-छात्राओं की यौन सुरक्षा

डा. वरिंदर भाटिया

हम खुद को भले ही कितना आगे बढ़ता हुआ देखें, भले ही हमने चांद पर कदम रख लिया हो, चाहे क्यों न हमने पृथ्वी के साथ मंगल ग्रह में भी अपना परचम फहरा दिया हो, लेकिन जब तक देश की बेटी ही सुरक्षित न हो तो ऐसे देश के विकासशील होने का भला क्या फायदा। गौरतलब है कि कई बार स्कूल से लेकर विश्वविद्यालयों तक लड़कियों ने अकेले और सामूहिक रूप से यौन शोषण के खिलाफआवाज बुलंद की है। हालांकि यह हिम्मत हर स्कूल और कॉलेज परिसर में देखने को नहीं मिलती नवंबर 2024 में दिल्ली में शाहदरा के आनंद विहार इलाके में एक स्कूल बस में एक स्कूली छात्रा के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीडऩ का मामला सामने आया था। स्कूल छात्राओं का इस प्रकार का शोषण देश के अनेक राज्यों में लगातार देखने को मिल रहा है। इन ज्यादातर मामलों में आरोपी शिक्षा संस्थानों से जुड़े लोग ही होते हैं। यह एक सामाजिक चिंता का कारण है। ऐसे सभी मामले दूरदराज के छोटे गांवों से लेकर जाने-माने विश्वविद्यालयों तक के हैं, जहां यौन हिंसा को लेकर लड़कियां लगातार संघर्ष कर रही हैं और कई बार तो उनके स्कूल या कॉलेज छोडऩे तक की नौबत भी आ जाती है। लैंगिक भेदभाव के अलावा इस तथाकथित आधुनिक समाज में यौन शोषण एक बड़ा कारण भी है जिससे लड़कियां शिक्षा से दूर हो जाती हैं या उनके अभिभावकों द्वारा दूर कर दी जाती हैं। अक्सर शिक्षा और रोजगार के लिए जारी रिपोर्ट्स में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को देखकर सभी खुद को शाबाशी देने लगते हैं। लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि अभी भी समाज के कई हिस्सों में लड़कियों को अपनी बुनियादी शिक्षा और विकास के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के मुताबिक लगभग पांच में से एक लडक़ी अभी भी निम्न-माध्यमिक शिक्षा की पढ़ाई पूरी नहीं कर पा रही है। लगभग 10 में से चार लड़कियां आज भी उच्च-माध्यमिक विद्यालय की पढ़ाई पूरी नहीं कर पा रही हैं। कुछ क्षेत्रों में तो संख्या और भी निराशाजनक है। यह पूरी दुनिया का हाल है। अपने यहां के हालात भी कुछ ऐसे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार यहां प्राइमरी स्कूल की शिक्षा पूरी करने के बाद लगभग 65 फीसदी लड़कियों ने स्कूल छोड़ दिया था। ये आंकड़े शिक्षा मंत्रालय ने अपनी पहली 'ग्रामीण भारत में प्राथमिक शिक्षा की स्थिति' रिपोर्ट में बताए हैं। हालांकि इस

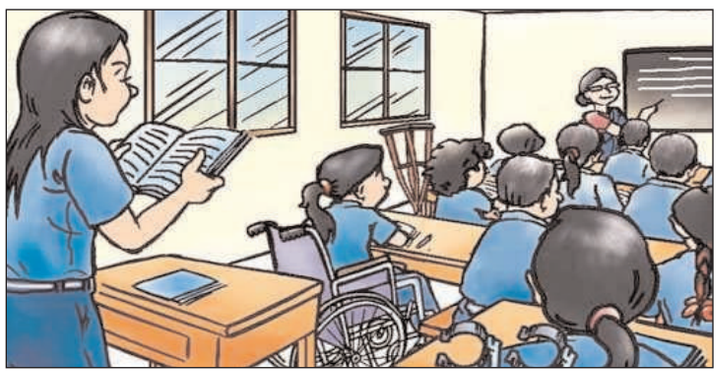

पढ़ाई छोडऩे के पीछे यौन हिंसा के अलावा और भी कई बड़े कारण हैं, लेकिन राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की वार्षिक रिपोर्ट कहती है कि भारत में पिछले तीन सालों में बच्चों के खिलाफ 418385 अपराध दर्ज किए गए। इनमें पॉक्सो एक्ट के तहत करीब 134383 मामले दर्ज हुए। पॉक्सो (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन अगेंस्ट सेक्सुअल ऑफेंस) जैसे कड़े कानून के बावजूद भारत में बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा के मामले कम नहीं हो रहे हैं, बल्कि इनमें साल दर साल इजाफा हो रहा है। महानगरों के अलावा छोटे शहरों में भी इस तरह के घिनौने अपराधों को अंजाम दिया जा रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की साल 2020 की रिपोर्ट बताती है कि देश में बाल यौन शोषण के 47221 मामले दर्ज किए गए थे। इन मामलों में अधिकतर पीड़ित लड़कियां ही थीं। एनसीआरबी के मुताबिक यौन हिंसा और यौन शोषण की वारदातें सबसे अधिक 16 से लेकर 18 वर्ष की लड़कियों के साथ हुईं। इस क्षेत्र में काम करने वाले कार्यकर्ताओं का कहना है कि कई बार मामले पुलिस तक नहीं पहुंचते हैं या फिर परिवार ही बदनामी के डर से उसे दबा देता है। बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए नौ साल पहले पॉक्सो कानून बनाया गया था। सवाल यह है कि क्या कानून अपने उद्देश्य को पूरा करने में सफल रहा है? 2016 से 2020 तक (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार, रिपोर्ट किए गए बाल यौन शोषण के मामलों की संख्या 2016 में 36321 से बढक़र 2020 में 47 हजार से अधिक हो गई। यह 31 प्रतिशत की वृद्धि है। विशेषज्ञों के अनुसार यह संख्या भी हिमखंड का सिरा मात्र है। एनसीआरबी की 2020 की रिपोर्ट में कहा गया है कि बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों में से सिर्फ 36 फीसदी ही पॉक्सो के तहत दर्ज होते हैं। बदलती तकनीक और इसके दुरुपयोग के साथ तालमेल रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय कानूनों की विफलता की जांच करने वाले अधिकार समूह 'इक्वालिटी नाउ' का कहना है कि संभावित पीड़ितों को लक्षित करने के लिए शिकारी तेजी से सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं। इक्वालिटी नाउ के मुताबिक अपराधी गुमनाम तरीके से काम करते हैं और वे बहुत सीमित विनियमन के तहत काम करते हैं। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि ये बच्चियों के माता-पिता के मन का सबसे बड़ा डर जरूर है। यह कटु सत्य है कि हमारे देश में कुछ लोग लड़कियों की शिक्षा को लेकर बहुत उत्सुक नजर नहीं आते। कहीं मां-बाप अपनी बच्चियों को घर से ज्यादा दूर भेजना नहीं चाहते, क्योंकि वे उनकी सुरक्षा को लेकर आश्वस्त नहीं रहते।

दैनिक विश्व परिवार

DAILY MORNING NEWS PAPER & WEB PORTAL

E-Paper also avilable

www.dainikvishwapariwar.com

Dainik Vishwa Pariwar

Dainik Vishwa Pariwar

vishwa_pariwar

https://chat.whatsapp.com/Hs1gbnZY2FdE1cOxKEptwA

दैनिक विश्व परिवार

आम सूचना, नामांतरण, ईशतहार, खरीदी बिक्री,
नाम परिवर्तन, आवश्यकता, कोर्ट नोटिस

संपर्क करें

ओलम्पस जिम के पास, सेक्टर - 1,
शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)

मो.: 7383508626

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर, रविवार 08 दिसम्बर 2024

संक्षिप्त समाचार

महाविद्यालय में प्रायोगिक परीक्षा प्रारंभ

गरियाबंद(विश्व परिवार)। शासकीय वीर सुरेन्द्र साय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गरियाबंद में बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षाएँ 7 से 14 दिसंबर तक आयोजित है। 07 दिसम्बर को बी.सी.ए. प्रथम सेमेस्टर लेब कोर्स-01 का , 10 दिसम्बर को वनस्पति शास्त्र, 11 दिसम्बर को रसायन शास्त्र, 13 दिसम्बर को प्राणीशास्त्र एवं 14 दिसम्बर को भौतिक शास्त्र की प्रायोगिक परीक्षा आयोजित की जायेगी। सभी नियमित एवं अमहाविद्यालयीन छात्र-छात्राएँ प्रायोगिक रिकार्ड के साथ उक्त तिथियों में प्रात: 08 बजे से महाविद्यालय में उपस्थिति देना सुनिश्चित करें। उक्त जानकारी विज्ञान संकाय विभागाध्यक्ष डॉ. सत्यम कुमार कुम्भकार द्वारा दी गई है।

बाईक चोर गिरोह का पर्दाफाश

गरियाबंद(विश्व परिवार)। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश एवं मार्गदर्शन में मोटर सायकल चोरी के दो अलग-अलग मामलों में थाना गरियाबंद पुलिस टीम द्वारा मुखबीर से बताये सूचना के आधार पर सूचना तस्दीक पर संदेही आरोपी मोहन निषाद निवासी पाथरमोहदा एवं उसके दोस्त विधि से संघर्षरत बालक से पुछता कर दो मोटर सायकल को बारामद किया। ज्ञात हो कि 6 नवंबर को प्रार्थी दिनेश यादव निवासी कोदोबतर थाना गरियाबंद आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि 6 नवंबर को जनता बुट हाऊस गरियाबंद के पास अपने मोटर सायकल क्रमांक सीजी 04 एल एम 4475 को कोई अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले गया है।इस रिपार्ट पर अज्ञात चोर के विरूद्ध धारा 303 (2), 3(5) बी एन एस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच कार्यवाही में लिया गया।उसी प्रकार दिनांक 21 नवंबर को प्रार्थी जयंत राम कश्यप ग्राम मोहेरा थाना मगरलोड़ जिला-धमतरी के द्वारा रिपोर्ट में बताया कि जिला अस्पताल में अपने मोटर सायकल हीरो एच एफ डीक्लस सीजी 04 केटी 2090 को किसी अज्ञात चोरी द्वारा चोरी कर ले जाने की रिपार्ट थाने में दर्ज कराया था। उक्त चोरी गये मोटर सायकल की पतासाजी हेतु थाना क्षेत्र में मुखबीर सक्रीय किया गया था।जो आज दिनांक को संदेही आरोपी मोहन निषाद निवासी पाथरमोहदा एवं उसके दोस्त विधि संर्घषरत बालक से पुछता करने पर अपना जुर्म स्वीकर करने पर दो आरोपियों के कब्जे से दो मोटर सायकल को बरामद कर समक्ष गवाहन के जप्त किया गया।

जनता का सरकार पर भरोसा-वंश गोपाल

गरियाबंद(विश्व परिवार)। राज्य सरकार द्वारा निर्णय लिया गया कि अब की बार नगरी निकाय अध्यक्ष का चुनाव अप्रत्यक्ष नहीं बल्कि प्रत्यक्ष तरीके से किए जाएंगे जिस पर हर्ष जताते हुए एवं जनता की जीत कहते हुए पार्षद सभापति एवं पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के छात्र संघ सचिव वंश गोपाल सिन्हा ने कहा कि जब सरकार को जनता पर भरोसा नहीं होता है तब वह अप्रत्यक्ष करती है,जैसे कांग्रेस से कराया फिर भी अधिकतर भाजपा के अध्यक्ष बने और जब जनता पर भरोसा हो जाता है कि वह वर्तमान सरकार के कार्यों को पसंद कर रही है इसलिए चुनाव प्रत्यक्ष होता हैं।जैसे भाजपा कराते आ रही है और वर्तमान में होने? वाले चुनाव में जनता को अपने अध्यक्ष चुनने का अधिकार वापस दिया भाजपा द्वारा प्रत्यक्ष चुनाव कराया जाना यह दर्शाता है कि भाजपा के सरकार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विष्णु देव साय के साथ नगरी निकाय चुनाव को लेकर उपमुख्यमंत्री नगरी प्रशासन मंत्री अरूण साव ने शहरी क्षेत्र में बेहतरीन कार्य हो रहे हैं।चाहे हम बात करें प्रधानमंत्री आवास योजना की या महतारी वंदन योजना की भाजपा सरकार ने सभी वर्गो का विश्वास जीता है।जनता को विश्वास है कि भाजपा है तो विकास और जनता भाजपा के साथ है और आगामी समय होने वाले नगरी निकाय चुनाव में जनता अधिक से अधिक भाजपा के अध्यक्ष प्रत्याशियों एवं भाजपा पार्षदों को चुनेगी।

पोटाश बम से घायल बेबी हाथी अघन की हुई मृत्यु

गरियाबंद(विश्व परिवार)। एक माह पूर्व पोटाश बम से घायल बेबी हाथी अघन की लगातार उपचार किए जाने के बाद भी आज आज दोपहर 3;35 को अपनी अंतिम सास ली। ज्ञात हो कि पिछले एक महीने से उदंती उपनिदेशक वरुण जैन अपनी पूरी टीम और जंगल सफारी से आए डॉ की टीम के साथ अघन को बाचने में लगे हुए थे पर आज अघन ने दुनिया को अलविदा कह दिया ज्ञात हो गरियाबंद में पोटाश बम से घायल हाथी की सेहत में सुधार होना शुरू हो गया था।उदंती सीता नदी अभयारण्य नन्हें शावक की देखभाल उपनिदेशक वरुण जैन के नेतृत्व में में 30 से ज्यादा लोग लगे हुए हैं।इनमें दो महावत और वाइल्ड लाइफ चिकित्सक डॉक्टर राकेश वर्मा 24 घंटे शावक की निगरानी और उसके मूवमेंट पर नजर बनाए हुए थे।बीते 7 नवंबर को एक मुखबिर ने रिसगांव क्षेत्राधिकारी को उदंती सीतानदी टाइगर रिज़र्व के सीतानदी क्षेत्र के सातलोर बीट में खून बिखरा होने की जानकारी दी थी।

कलेक्टर ने निक्षय निरामय पहचान व उपचार अभियान का किया शुभारंभ

निक्षय निरामय प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जिले को टीबी मुक्त करने 24 मार्च तक चलेगा विशेष अभियान

गरियाबंद(विश्व परिवार)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा संचालित राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत 2025 तक भारत को टी.बी. मुक्त का लक्ष्य रखा गया है। जिसके तहत प्रदेश में भी निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ 100 दिवसीय पहचान एवं उपचार अभियान 07 दिसम्बर 2024 से 24 मार्च 2025 तक चलाया जायेगा। इसी तारतम्य में कलेक्टर श्री दीपक अग्रवाल ने आज जिला अस्पताल में अभियान का शुभारंभ किया। साथ ही निक्षय निरामय प्रचार रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना भी किया। इस दौरान कलेक्टर ने टी.बी. मरीजों को अतिरिक्त पोषण आहार, वयोवृध्द जनो को वाकिंग स्टीक, येलो कार्ड एवं श्रवण यंत्र वितरित किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री अग्रवाल ने बताया कि 07 दिसम्बर से 24 मार्च 2025 तक चलने वाले निक्षय निरामय पहचान और उपचार के तहत मितानीन और स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर घर जाकर उच्च जोखिम समूह, टी.बी. कुष्ठ संदेहास्पद तथा वयोवृध्द कार्यक्रम अंतर्गत मरीज का चिन्हांकन करेंगे। उसके पश्चात उनके जांच एवं उपचार की व्यवस्था करेंगे। इसके लिए जिला और विकासखण्ड स्तर नोडल अधिकारी की नियुक्ति की गई हैं। जिनके सुपरविजन एवं मॉनिटरिंग में अभियान को सफल बनाया जायेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गार्गी यदु ने बताया की 100 दिवसीय अभियान 04 चरणों में संपादित होगा। अभियान के दौरान चिन्हाकित संदेहास्पद मरीजों को जांच एवं उपचार के अलावा आयुष्मान आरोग्य मंदिर, उप स्वास्थ्य केन्द्र स्तर स्वास्थ्य शिविर भी लगाये जायेगें, जिसमें स्वास्थ्य जांच उपचार प्रदान किया जायेगा। समूह में निवास एवं कार्य करने वाले क्षेत्र जैसे जेल, माईन्स, क्रसर, ईट भटटी, उद्योगों, राईस मिल क्षेत्रो पर भी लोगो का चिन्हांकन कर आवश्यक जांच एवं उपचार किया जायेगा। टी.बी. मुक्त भारत की इस अभियान में सभी शासकीय विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पंचायत प्रतिनिधि, स्वंय सेवी संगठन एवं जन समुदाय अपनी सहभागिता निभाएगें, साथ ही अभियान के दौरान कार्यक्रम संबंधी प्रचार प्रसार करते हुए जन समुदाय को निक्षय मित्र बनने हेतु प्रेरित किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम में डॉ. टी.सी. पात्रे सिविल सर्जन, डॉ. लक्ष्मीकांत जांगडे डीएचओ, डॉ.ए.के. हुमने, डॉ. योगेन्द्र रंधुवशी डीपीएम, श्रीमती सृष्टि यदु, डॉ. शंकर पटेल, डॉ. रूपेन्द्र महिलांगे, डॉ. देवेन्द्र साह, श्री भूपेश साहू एवं एनटीईपी कार्यक्रम के समस्त अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

पुलिस यातायात ने पॉलिटेक्नीक कॉलेज के छात्र-छात्राओं को किया गया मोटिवेट

धमतरी(विश्व परिवार)। पुलिस अधीक्षक धमतरी द्वारा सड़क सुरक्षा को बढावा देने के साथ यातायात नियमों के प्रति छात्र-छात्राओं को जागरूक करने के निर्देश पर उप पुलिस अधीक्षक यातायात द्वारा आज दिनांक 06.12.2024 को रूद्री पालिटेक्नीक कॉलेज के एनएसएस छात्र-छात्राओं द्वारा ग्राम माड़मसिल्ली भोथापारा में लगाये गये विशेष शिविर में पहुंचकर एनएसएस छात्र-छात्राओं एवं ग्राम भोथापारा हाई स्कूल के छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों से अवगत कराते हुए यातायात नियमों का पालन करने एवं स्वामी विवेकानंद द्वारा दिये गये कोटेशन उठो जागो आगे बढ़ो जब तक लक्ष्य प्राप्ति न हो जाये के बारे में बताकर महापुरूषों की जीवनी का अध्ययन करने एवं उनके द्वारा बताये गये बातों का अनुसरण कर जीवन में उतारने बताया गया। इसी कम में मास्ट्र ट्रेनर सउनि. सुरेश नेताम के द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं शिक्षकगणं को यातायात को पारिभाषित कर मैनुअल एव विद्युत ट्राफिक सिग्नल के इतिहास के बारे में जानकारी देकर ट्राफिक सिग्नल के बारे में बताया गया कि जब सिग्नल में लगे लाईट हरी हो तो इसका मतलब हमें आगे बढना है, लाईट जब पीली हो तब स्टाप लाईन में वाहन को चालू कर तैयार होना है, या आप स्टाप लाईन से आगे बढ गयें हो तो तेजगति से रोड क्रास कर लेना है, लाल लाईट जलने पर स्टाप लाईन में वाहन रोक कर खड़े होना है, वाहन हमेशा स्टाप लाईन पर ही खडे करे, जेब्रा क्रासिंग पर वाहन ना खड़े करे यह लाईन पैदल रोड क्रास करने वाले के लिये बनाया गया है। इसी प्रकार मार्ग में चलने के नियमों से अवगत कराते हुए बताया गया कि हमेशा बांये चलना चाहिए, एक के पीछे एक कम से चलना चाहिए झुंड में नही चलना चाहिये, हमेशा सतर्क रहते हुए चलना चाहिए, मोबाईल, हेडफोन का प्रयोग नही करना चाहिए, तीन सवारी कभी भी न चले, बिना हेलमेट के वाहन ना चलाये, बिना लायसेंस के वाहन ना चलायें, नाबालिक बच्चें वाहन ना चलायें, दोस्तों के साथ गति मुकाबला ना करें आदि जानकारी दी गई, साथ ही दुर्घटना के मुख्य कारणों से अवगत कराते हुए बताया गया कि सर्वाधिक सड़क दुर्घटना तेजगति वाहन चलाने, असावधानीपूर्वक ओवरटेकिंग करने, लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने, शराब सेवन कर वाहन चलाने, से होती है, साथ ही छात्र-छात्राओं को गोल्डन ऑवर के बारे में विस्तृत जानकारी देकर, सफर के दौरान सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति मिलने पर हरसंभव मदद करते हुए अस्पताल पहुंचाकर नेक इंसान बनने बताकर ड्रायविंग लायसेंस बनाने के प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

जिले के तेंदूपत्ता संग्राहकों को 10 करोड़ 70 लाख का किया गया भुगतान

नारायणपुर(विश्व परिवार)। तेंदूपत्ता, जिसे हरा सोना कहा जाता है, ग्रामीण समुदायों के लिए अतिरिक्त आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में तेंदूपत्ता संग्रहण की दर बढ़ाकर 5500 रुपये प्रति मानक बोरा कर दी गई है। जिसने ग्रामीणों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है, तेंदूपत्ता से लोगों की आय दोगुनी हो गई है, तो वहीं बच्चों के शिक्षा के लिए भी सहायता मिल रही है, ग्रामीणों की आमदनी बढ़ने से परिवारिक स्थिति सुधर रही है, साथ ही बच्चों के शिक्षा में अब ग्रामीणों ने ध्यान देना शुरु कर दिया है। जिले के बोरपाल निवासी गांडोराम सलाम, जो कृषि के साथ-साथ मजदूरी करके अपना जीवन यापन करते हैं। गांडोराम ने बताया कि 4 हजार बंडल तेंदूपत्ता एकत्रित कर बेचा, जिससे उन्हें 24 हजार 800 रूपए का लाभ हुआ। अपनी कमाई से उन्होंने अपने घर बनायेंगे और खेती-बाड़ी के साथ-साथ परिवारिक कार्यो में भी उपयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि 4 हजार रुपए प्रति मानक बोरा से 1500 रुपए की वृद्धि से आर्थिक संघर्षों को कम किया है, बल्कि उनके बच्चों के भविष्य को भी उज्जवल बनाया है। गांडोराम ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस निर्णय से उनकी आमदनी में काफी वृद्धि हुई है। राज्य सरकार द्वारा किए गए प्रयासों से तेंदूपत्ता संग्रहण में लगे लोगों की आजीविका में सुधार हुआ है। बढ़ी हुई दरें सुनिश्चित करती हैं कि इन ग्रामीणों को उनकी कड़ी मेहनत के लिए उचित मुआवजा मिले। राज्य के साढ़े बारह लाख से अधिक तेंदूपत्ता संग्राहक परिवार जिसमें अधिकांश आदिवासी परिवार हैं।

जिला मुख्यालय मोहला में आयोजित आयुष मेला में सैकड़ों रोगियों ने कराया उपचार

मोहला(विश्व परिवार)। जिला मुख्यालय मोहला के दुर्गा चौक में जिला स्तरीय एक दिवसीय निशुल्क आयुष स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। निशुल्क आयुर्वेद एवं होम्योपैथिक शिविर का आयोजन में सैकड़ों की संख्या में रोगियों ने अपना इलाज कराया। विधायक इंद्रशाह मंडावी ने भी अपना रक्तचाप एवं मधुमेह का परीक्षण कराया एवं ग्रामीणों को होम्योपैथी का लाभ लेने का आग्रह किया। जिला प्रभारी आयुर्वेद डॉक्टर दिनेश सोनी ने बताया की समय समय पर विभिन्न जगहों में आयुष स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया जाता है आने वाले दिनों में भी ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया जाएगा जहां ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने का अपील किया। इस अवसर पर विधायक इंद्रशाह मंडावी ने कहा की आयुर्वेद से इलाज पद्धतियां हमारे परंपरागत ज्ञान पर आधारित है। जितना अच्छा परिणाम आयुष की औषधीय देती है किसी और जांच पद्धति से नही मिलता है आयुर्वेद न केवल रोगों की चिकित्सा करता है बल्कि रोगों को रोकता भी है। आयुर्वेद भोजन तथा जीवनशैली में सरल परिवर्तनों के द्वारा रोगों को दूर रखने के उपाय सुझाता है। आयुर्वेदिक औषधियाँ स्वस्थ लोगों के लिए भी उपयोगी हैं। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के माध्यम से पुराने से पुराने असाध्य रोगों से साध्य की तरफजा सकते है। वनांचल में हमने पूर्व में भी स्वास्थ्य शिविर का प्रयास किए है जिसका लाभ मिला है।

दिव्यांग सोहन लाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अपने परिवार के लिए बनाया पक्का आवास

पक्का आवास में खुशी-खुशी रह रहें सोहन लाल ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के प्रति किया आभार व्यक्त

बालोद(विश्व परिवार)। बालोद जिले के डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम कुसुमकसा में एक छोटी सी दुकान चलाकर अपना और अपने परिवार का घर चला रहे दिव्यांग सोहन लाल को अब कच्चे आवास से निजात मिला है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अब उसका आवास पक्का बन गया है। उसे काफी खुशी है कि उसके पक्का आवास का सपना अब हकीकत में तब्दील हो चुका है। श्री सोहन लाल ने बताया कि वे पहले कच्चे मिट्टी के मकान में निवास करते थे। उसने बताया कि उनका आवास काफी जर्जर हो चुका था। बारिश के दिनों में कच्चे छत से पानी का टपकना, घर में पानी का भर जाना और कभी भी जर्जर मकान के ध्वस्त होने का डर बना रहता था। रोजी-मजदूरी से ही घर का खर्च चलता है जिसमें अपने घर को पक्का बनाने में सक्षम नही थे। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जब उन्हें आवास की स्वीकृति मिली तो उनके परिवार की खुशी का ठिकाना नही था। उन्होंने योजना के तहत आवास निर्माण हेतु प्रथम किस्त की राशि आते ही उन्होंने अपने घर का निर्माण शुरू कर दिया। उसने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के शासन में उसके घर के निर्माण कार्य में तेजी आई और अब उनका आवास पूरी तरह पूर्ण हो चुका है। श्री सोहन लाल एवं उनके परिवार की इन समस्याओं का समाधान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना के बेहतर संचालन से हुआ है। जहाँ श्री सोहन लाल एवं उनके परिवार खुशी-खुशी निवासरत है, अब उन्हें पक्का आवास में रहन-सहन में कोई समस्या नही आती है। उसने बताया कि शासन की योजना के तहत उनके घर में शौचालय का निर्माण किया गया है तथा जल जीवन मिशन के तहत नल कनेक्शन भी प्रदान किया गया है। जिससे भरपूर मात्रा में पेयजल प्राप्त होता है। सोहन लाल ने बताया कि उनकी पत्नी को महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह 01 हजार रुपए की राशि उनके बैंक खाते में प्राप्त होती है। जिससे घर के छोटे-छोटे खर्च भी वहन हो जाते है।

परंपरागत जैविक कृषि में ही है कृषकों की आर्थिक समृद्धि-विधायक चैतराम अटामी

भूमिगत जल स्तर को बढ़ाने के लिए कूप खनन को दे बढ़ावा

जिले के 14 ग्रामों का किया गया प्रमाणीकरण, कृषकों को दिए गए उन्नत कृषि यंत्र

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। आज जावंगा ऑडिटोरियम में द्वि दिवसीय ''ऑर्गेनिक दंतेवाड़ा कॉन्कलेव के अंतिम दिन मुख्य अतिथि के रूप में पधारे क्षेत्र विधायक श्री चैतराम अटामी ने वक्तव्य में कहा कि यह हर्ष का विषय है कि जिले में प्रथम बार ऑर्गेनिक दंतेवाड़ा कॉन्कलेव का आयोजन किया गया है। इस आयोजन से न केवल हमारे जिले के जैविक कृषकों की उपलब्धियों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही परंपरागत खेती के महत्व और उसकी परंपरागत विरासत को दर्शाया गया है। जैविक खेती न केवल कृषि की एक स्वस्थ और पर्यावरण-अनुकूल विधि है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक और पारंपरिक धरोहर को भी जीवित रखती है। श्री अटामी ने किसानों की सराहना करते हुए यह संदेश दिया है कि वे जिले के गौरव को बढ़ा रहे हैं। दंतेवाड़ा जिले में जैविक खेती की परंपरा हमारे पूर्वजों के समय से चली आ रही है, जो इस क्षेत्र की विशेषता और पहचान है। इस प्रकार के आयोजन से न केवल किसानों को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि अन्य लोगों को भी इस दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। जैविक खेती को बढ़ावा देने से न केवल पर्यावरण संरक्षण होगा, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली और समृद्ध कृषि अर्थव्यवस्था की ओर भी यह एक सकारात्मक कदम है। इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा कि जिले में अंधाधुंध भूमिगत जल दोहन करने के दुष्परिणामों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि अत्यधिक बोर खनन से जलस्तर तेजी से नीचे जा रहा है अत: हमें घर -घर कुएं के निर्माण को बढ़ावा देना होगा। इसके साथ ही उन्होंने गोवंश पालन के महत्व को बताते हुए कहा कि जैविक खाद का प्रमुख स्त्रोत गोवंश ही है अत: गायों सहित अन्य पशुओं को घुमन्तु न बनाए। राज्य शासन द्वारा किसानों के हित में प्रारंभ की गई योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि शासन किसानों के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर सोमवार 09 दिसंबर 2024

व्यापार समाचार

इंडियन ऑयल ने जेल के कैदियों और सुधार गृहों के लिए अपनी अग्रणी पहल का विस्तार किया

मुंबई: जेल के कैदियों और सुधार गृहों में रहने वाले बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने के निरंतर प्रयास में, इंडियन ऑयल के अध्यक्ष श्री ए एस साहनी ने इंडियन ऑयल के 'परिवर्तन - प्रिजन टू प्राइड' के चरण नवें और 'नई दिशा - भविष्य को फिर से परिभाषित करना' के चरण छठवें चरण का शुभारंभ किया। इस चरण में, इंडियन ऑयल 28 जेलों और 14 सुधार गृहों में 1650 से अधिक व्यक्तियों के जीवन को प्रभावित करेगा। अद्वितीय सामाजिक प्रबंधन कार्यक्रमों के नौवें चरण का उद्घाटन करते हुए, अध्यक्ष ने साझा किया कि उन्हें इस बात पर बेहद गर्व है कि इंडियन ऑयल कैदियों को दूसरा मौका दे रहा है और खेल के रूप में उन्हें उद्देश्य दे रहा है। उन्होंने कहा, पिछले 38 महीनों में ये कार्यक्रम 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 150 स्थानों तक पहुँच चुके हैं। 7,300 से ज़्यादा लोगों के जीवन पर इसका असर पड़ा है और ये प्रयास इंडियनऑयल के 'राष्ट्र पहले' के सिद्धांत के अनुरूप हैं, जो व्यापार से परे जाकर सबसे कमज़ोर लोगों की मदद करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारतीय जेलों में अन्य कल्याणकारी पहलों पर प्रकाश डालते हुए, श्री साहनी ने कहा, इन सराहनीय पहलों के अलावा, हम अपनी उम्मीद-ए-होप परियोजना के ज़रिए भी लोगों के जीवन में बदलाव ला रहे हैं। राज्य जेल विभागों के सहयोग से, हमने मौजूदा और पूर्व कैदियों द्वारा संचालित ईंधन स्टेशन स्थापित किए हैं। इसके अलावा, पिछले साल नई दिल्ली में इंडियनऑयल के ईंधन स्टेशन पर पहले तिहाड़ जेल स्टोर (टीजे) का उद्घाटन हाशिए पर पड़े समुदायों को मुख्यधारा में लाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ। इस अवसर पर, भाग लेने वाले राज्य सरकार के अधिकारियों और जेल अधिकारियों ने इस अनूठे हस्तक्षेप के लिए इंडियनऑयल को धन्यवाद दिया, जो सुधार गृहों में कैदियों और बच्चों को बेहतर जीवन जीने और समाज में उपयोगी योगदान देने में मदद करेगा। परिवर्तन - जेल से गौरव तक, जिसे 15 अगस्त, 2021 को आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत भारत के स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के समारोह के साथ लॉन्च किया गया था। निगम ने 26 जनवरी, 2023 को इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम का पहला चरण भी लॉन्च किया था। आज के लॉन्च के साथ, यह पहल अब दस खेलों के माध्यम से 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 192 स्थानों पर सुधार गृहों में 8950 से अधिक कैदियों और बच्चों को सशक्त बनाती है। यह पहल न केवल कोचिंग की सुविधा प्रदान करती है, बल्कि प्रतिभागियों के लिए उपकरण और किट भी प्रदान करती है। यह उल्लेखनीय है कि इंडियनऑयल के इन प्रमुख आउटरीच कार्यक्रमों ने अपने सामाजिक प्रभाव के लिए वैश्विक मान्यता प्राप्त की है। 2024 में, भोपाल सुधार गृह के कैदियों ने स्नड्ढष्ठश्च द्वारा आयोजित चौथे इंटरकॉन्टिनेंटल ऑनलाइन शतरंज में स्वर्ण और एलुरु सुधार गृह के कैदियों ने कांस्य पदक जीता। इस पहल को सामाजिक भलाई के लिए खेलों के लिए स्पोर्टस्टार एसेस चेयरपर्सन अवार्ड 2023 और विचार नेतृत्व के लिए प्रतिष्ठित एशिया-पैसिफिक स्टीवी अवार्ड भी मिला है। हाल ही में, इंडियन ऑयल को विश्व शतरंज महासंघ (स्नड्ढष्ठश्च) द्वारा शतरंज फॉर फ्रीडम कॉन्फ्रेंस में जेल में शतरंज कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए संगठन श्रेणी के तहत शतरंज फॉर फ्रीडम अवार्ड से सम्मानित किया गया। ये उपलब्धियाँ हमारे परिवर्तन और नई दिशा कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का प्रमाण हैं, जो जेल में बंद व्यक्तियों की क्षमता का दोहन करने और इसे उत्पादक रास्तों की ओर ले जाने में कारगर हैं।

मध्य प्रदेश की अपनी क्रिकेट टीम स्पोर्ट्समिंट एमपी टाइगर्स

इंदौर: रैडिसन होटल, इंदौर में, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की अपनी क्रिकेट टीम एमपी टाइगर्स का आधिकारिक तौर पर अनावरण किया गया। सूरत में 12 दिसंबर से शुरू होने वाले बिग क्रिकेट लीग (बीसीएल) में एमपी टाइगर्स टीम ने क्रिकेट जगत में एक नया अध्याय जोड़ दिया है।

स्पोर्ट्समिंट के स्वामित्व वाली एमपी टाइगर्स टीम का लक्ष्य मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के युवा क्रिकेट प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करना है। इस क्षेत्र में क्रिकेट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, एमपी टाइगर्स ने बीसीएल में भाग लेने का फैसला किया है।

बीसीएल एक अनूठा टूर्नामेंट है जो पेशेवर, युवा, मेहनती मौके की तलाश कर रहे क्रिकेटरों को खेलने का मौका देता है। एमपी टाइगर्स ने अपने स्क्वाड में 10 महत्वाकांक्षी और 8 अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को शामिल किया है। इन खिलाड़ियों का चयन पूरे भारत में आयोजित हुए कई शिविरों के माध्यम से किया गया है।

एमपी टाइगर्स का लक्ष्य मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में क्रिकेट के विकास के लिए काम करना है। टीम 2025 में इन दोनों राज्यों में ट्रायल आयोजित करने की योजना बना रही है, ताकि स्थानीय प्रतिभाओं को बीसीएल में खेलने का मौका मिल सके। एमपी टाइगर्स का विजन मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के युवाओं को प्रेरित करना और उन्हें भारतीय क्रिकेट में अपना योगदान देने का अवसर प्रदान करना है। टीम का मानना है कि बीसीएल इस क्षेत्र के क्रिकेट के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एमपी टाइगर्स टीम के लांच के अवसर पर बिग क्रिकेट लीग के अध्यक्ष -आर पी सिंह, ने कहा मैं एमपी टाइगर्स के बीसीएल में शामिल होने पर बेहद उत्साहित हूं। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे क्रिकेट के गढ़ से एक नई टीम का आगमन हमारे लीग को और मजबूत बनाएगा। एमपी टाइगर्स की युवा प्रतिभाएं बीसीएल को एक नई ऊर्जा देंगी। हम उम्मीद करते हैं कि यह टीम मध्य भारत के क्रिकेट प्रेमियों के लिए गर्व का विषय बनेगी। बीसीएल का लक्ष्य भारत में घरेलू क्रिकेट को बढ़ावा देना है और एमपी टाइगर्स इस लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारी मदद करेंगे। राहुल भदौरिया प्रमोटर, एमपी टाइगर्स ने कहा - आज हम सभी के लिए एक गौरव का क्षण है। एमपी टाइगर्स का जन्म मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक सपने के रूप में हुआ था। आज यह सपना साकार हो रहा है। हमने इस टीम को बनाने में बहुत मेहनत की है। हम उम्मीद करते हैं कि एमपी टाइगर्स बीसीएल में एक मजबूत दावेदार साबित होगी। हम मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के क्रिकेट के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं और एमपी टाइगर्स इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एमपी टाइगर्स टीम के लांच के अवसर पर बिग क्रिकेट लीग के अध्यक्ष -आर पी सिंह, मप्र के प्रतिष्ठित खिलाड़ी नमन ओझा, भारतीय क्रिकेट के महत्वपूर्ण स्तम्भ - संजय जगदाले, एमपी टाइगर्स के प्रमोटर - राहुल भदौरिया, मप्र के रणजी आइकन जतिन सरसेना एवं प्रसिद्ध टी वी एंकर सुश्री शैफाली बग्गा मौजूद थे।

भारत में मोटर स्पोर्ट्स के गॉडफादर इंदु चंडोक का निधन

चेन्नई(एजेंसी)। भारतीय मोटरस्पोर्ट्स के दिग्गज इंदु चंडोक का शनिवार सुबह निधन हो गया। वे छह दशकों से भी अधिक समय से भारतीय मोटरस्पोर्ट्स से जुड़े रहे। वे 93 वर्ष के थे और अपने पीछे दो बेटे, एक बेटी, सात पोते-पोतियां और चार परपोते-परपोतियां छोड़ गए हैं। इंदु चंडोक के बेटे और मद्रास मोटर स्पोर्ट्स क्लब (एमएमएससी) के उपाध्यक्ष विक्की चंडोक ने कहा- चंडोक परिवार के मुखिया का आज सुबह नींद में निधन हो गया। वे एक महान व्यक्ति थे। बीआईसी ने अपने जीवन को अंत तक हास्य की भावना से भरपूर जिया। वे एक शानदार पिता और संरक्षक थे। एक तरह से, वे भारतीय मोटरस्पोर्ट्स के मुखिया भी थे, जिन्होंने खेल के विकास के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ बड़ी तस्वीर देखी। परिवार और मोटरस्पोर्ट्स बिरादरी उन्हें याद करेगी। एमएमएससी के अध्यक्ष अजीत थॉमस ने कहा- इंदु चंडोक के निधन से एमएमएससी और भारतीय मोटरस्पोर्ट्स ने एक दिग्गज और संस्थागत हस्ती खो दी है। भारत में मोटरस्पोर्ट्स को निश्चित दिशा प्रदान करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान था और अब हम उनके अथक प्रयासों का फल भोग रहे हैं। उन्होंने एमएमएससी को आज की स्थिति तक पहुंचाया। हम उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। 22 जुलाई, 1931 को कोलकाता में जन्मे और फिर 1932 में चेन्नई (तत्कालीन मद्रास) चले गए, असीम ऊर्जा और विविध रुचियों से संपन्न इंदु चंडोक ने एक सक्रिय जीवन जिया। वे 1953 में मद्रास मोटर स्पोर्ट्स क्लब के संस्थापक सदस्यों में से एक थे और बाद में 1971 में फेडरेशन ऑफ मोटर स्पोर्ट्स क्लब ऑफ इंडिया के वे अध्यक्ष (1978-79) भी थे। इसके अलावा वे ट्रस्ट का भी अभिन्न हिस्सा थे, जिसने श्रीपेरंबदूर के पास और चेन्नई से लगभग 40 किलोमीटर दूर इरुंगटकोट्टई में मद्रास इंटरनेशनल सर्किट (तत्कालीन मद्रास मोटर रेस ट्रैक) को खरीदा और विकसित किया। इंदु चंडोक को देश में मोटरस्पोर्ट्स के विकास में उनके लंबे और स्थायी योगदान के लिए जाना जाता था। पिछले 60 वर्षों से मोटरस्पोर्ट्स से जुड़े रहने के कारण, पहले एक प्रतियोगी के रूप में और बाद में एक आयोजक के रूप में, उन्हें भारत में मोटर स्पोर्ट्स के गॉडफादर की उपाधि मिली। उन्होंने अपने मोटरस्पोर्ट्स जीन को अपने बेटे विक्की चंडोक, जो एक पूर्व राष्ट्रीय रैली चैंपियन हैं, और पोते करुण चंडोक, जो भारत के दूसरे फॉर्मूला वन ड्राइवर (नारायण कार्तिकेयन के बाद) हैं, को दिया, जो अब एक प्रसिद्ध एफ1 रेस कमेंटेटर और विश्लेषक हैं।

वेस्टइंडीज में अगले साल तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगा ऑस्ट्रेलिया : निक हॉकली

एडिलेड(एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के सीईओ निक हॉकली ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम अगले साल जून-जुलाई में वेस्टइंडीज के दौरे पर तीन टेस्ट मैच खेलेगी, जबकि पहले यह तय था कि केवल दो मैच होंगे। नई विश्व टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया को वेस्टइंडीज में सिर्फ दो टेस्ट खेलने थे। लेकिन हॉकली ने बताया कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और क्रिकेट वेस्टइंडीज ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज कराने का फैसला किया है। इस साल जनवरी में ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच हुई दो टेस्ट मैचों की सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही थी। ऑस्ट्रेलिया 2015 के बाद पहली बार वेस्ट इंडीज में टेस्ट सीरीज खेलने जाएगा। उस समय ऑस्ट्रेलिया ने डोमिनिका और जमैका में दोनों टेस्ट जीते थे। हॉकली ने कहा, मुझे खुशी है कि अब तीन टेस्ट मैच खेले जाएंगे। हालांकि वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड से तारीखों और स्थानों को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा का इंतजार है, लेकिन यह निश्चित रूप से तीन मैचों की बड़ी सीरीज होगी, जैसी होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के नियमों के अनुसार हमें कम से कम दो मैच खेलने थे। लेकिन खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए तीन मैच बेहतर है, क्योंकि दो मैचों की सीरीज में 1-1 की स्थिति से कोई संतुष्ट नहीं होता। जब उनसे पूछा गया कि क्या इन तीन मैचों में से कोई एक पिंक बॉल डे-नाइट टेस्ट होगा, तो उन्होंने कहा, यह अभी तय नहीं हुआ है। समय आने पर जानकारी दी जाएगी। शुक्रवार को एडिलेड टेस्ट के दौरान अंतिम सत्र में दो बार लाइट्स बंद होने की घटना पर उन्होंने कहा, यह स्विचिंग का मामला था।

ओमान में महिला जूनियर एशिया कप में भारत की नजर खिताब बचाने पर

मस्कट(एजेंसी)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ओमान के मस्कट में महिला जूनियर एशिया कप में भाग लेने के लिए पूरी तरह तैयार है, क्योंकि उनका लक्ष्य पिछले साल का अपना खिताब बचाना है। 7 से 15 दिसंबर तक होने वाला यह टूर्नामेंट एफआईएच जूनियर विश्व कप 2025 के लिए क्वालीफाइंग इवेंट भी है, जो चिली में आयोजित किया जाएगा। भारत का नेतृत्व कोच तुषार खांडेकर, कप्तान ज्योति सिंह और उप कप्तान साक्षी राणा करेंगे। टीम में दीपिका, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सुनीता टोप्पो और मुमताज खान जैसी खिलाड़ी भी शामिल हैं, जो पिछले साल की खिताबी जीत के बाद से सीनियर टीम के लिए खेल रही हैं और टूर्नामेंट के दौरान बाकी खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगी। 2023 में, भारत ने फाइनल में दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर पहली बार खिताब जीता। भारत को पूल ए में रखा गया है और उसका मुकाबला चीन, मलेशिया, थाईलैंड और बांग्लादेश से होगा। पूल बी में दक्षिण कोरिया, जापान, चीनी ताइपे, हांगकांग और श्रीलंका शामिल हैं। प्रत्येक टीम अपने पूल में प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी से एक बार खेलेगी और प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें न केवल सेमीफाइनल में जगह पक्की करेंगी, बल्कि अगले साल एफआईएच जूनियर विश्व कप में भी जगह बनाएंगी। प्रत्येक पूल में तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम जूनियर विश्व कप में अंतिम स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। कप्तान ज्योति सिंह ने कहा, हम मैदान पर उतरने और टूर्नामेंट की मजबूत शुरुआत करने के लिए उत्साहित हैं। खिताब का बचाव करना चुनौतीपूर्ण होगा, लेकिन मुझे यकीन है कि टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी और अपने देश को गौरवान्वित करेगी। यह टूर्नामेंट बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि जूनियर विश्व कप के लिए योग्यता दांव पर है, इसलिए हम फिर से खिताब जीतने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

मान्यता प्राप्त स्टार्टअप ने 16.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर किए पैदा

नई दिल्ली(एजेंसी)। हाल ही में संसद को दी गई जानकारी के अनुसार, भारत में मान्यता प्राप्त स्टार्टअप ने 55 से अधिक विभिन्न उद्योगों में 16.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने राज्यसभा को एक लिखित उत्तर में बताया कि आईटी क्षेत्र में रोजगार की कुल संख्या 2,04,119 रही, जो कि सबसे अधिक थी। इसके बाद हेल्थ केयर एंड लाइफ साइंस में रोजगार की संख्या 1,47,639 रही। व्यावसायिक एवं वाणिज्यिक सेवाओं में कुल 94,060 रोजगार के अवसर पैदा हुए। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों के अनुसार, स्टार्टअप ने शिक्षा क्षेत्र में 90,414 रोजगार के अवसर पैदा किए। ह्यूमन रिसोर्स और निर्माण में रोजगार की संख्या क्रमशः 87,983 और 88,702 रही। इसी तरह, खाद्य एवं पेय पदार्थ क्षेत्र में 88,468, कृषि क्षेत्र में 83,307 और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्षेत्र में 23,918 रोजगार सृजित हुए। भारत में वर्तमान में 1,46,000 से अधिक डीपीआईआईटी -मान्यता प्राप्त स्टार्टअप और 100 से अधिक यूनिकॉर्न हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत, सरकार स्टार्टअप इकोसिस्टम के विकास और वृद्धि तथा देश में रोजगार सृजन को बढ़ाने के लिए लगातार विभिन्न प्रयास करती है।

एसबीआई कार्ड ने 2 करोड़ कार्ड्स-इन-फोर्स का आंकड़ा पार किया

नई दिल्ली: एसबीआई कार्ड, भारत के सबसे बड़े प्योर प्ले क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता, ने 2 करोड़ कार्ड्स-इन-फोर्स का महत्वपूर्ण आंकड़ा पार कर लिया है। यह उपलब्धि देश भर में अभिनव समाधान प्रदान करने और ग्राहकों के अनुभवों को बढ़ाने के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह उपलब्धि भारत के क्रेडिट कार्ड परिदृश्य को बदलने में एसबीआई कार्ड की महत्वपूर्ण भूमिका और 'डिजिटल इंडिया की करेंसी के अपने वादे को भी रेखांकित करती है।1998 में अपनी स्थापना के बाद से, एसबीआई कार्ड ग्राहकों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए व्यापक उत्पादों को डिजाइन करने में अग्रणी रहा है। खासे विचार विमर्श के बाद जारी कोर कार्डों से लेकर प्रीमियम ब्रांडों के साथ को-ब्रांडेड साझेदारियों तक, रिवार्ड्स-संचालित और जीवनशैली-केंद्रित आफ्रों तक, एसबीआई कार्ड ने लगातार भारतीय क्रेडिट कार्ड उद्योग में ग्राहक-केंद्रित नवाचार के लिए नए मानदंड स्थापित किए हैं और बाजार में अपनी लीडरशिप को मजबूत किया है। एसबीआई कार्ड ने वित्त वर्ष 19 और वित्त वर्ष 24 के बीच कार्ड्स-इन-फोर्स में लगभग 25 प्रतिशत CAGR और स्पेंड्स में 26 प्रतिशत CAGR की मजबूत वृद्धि देखी है। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, एसबीआई कार्ड के एमडी एवं सीईओ अभिजीत चक्रवर्ती ने कहा: एसबीआई कार्ड ब्रांड 'लाइफको आसान बनाएं' के मूल्यवान सिद्धांत पर आधारित है।

भारतीय सेना, भा.प्र.सं. रायपुर और सीजीएमएफपी फेडरेशन के सहयोग से आदिवासी महिला सशक्तिकरण और छत्तीसगढ़ हर्बल का समर्थन करेगी

रायपुर: भारतीय सेना (मुख्यालय- कोसा), भा.प्र.सं. रायपुर और सीजीएमएफपी फेडरेशन ने छत्तीसगढ़ की आदिवासी महिलाओं के लिए सतत आजीविका और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए एक साथ कदम बढ़ाए हैं।

भारतीय सेना का शांतिकाल में नागरिक जनसंख्या की सहायता करने का एक लंबा और सम्मानित इतिहास रहा है। ब्रिगेडियर आनंद, मुख्यालय- कोसा के कमांडिंग ऑफिसर के नेतृत्व में, आदिवासी महिलाओं के सशक्तिकरण के इस सराहनीय कार्य का समर्थन करने के लिए कई पहल की जा रही हैं। इसमें छत्तीसगढ़ हर्बल्स की भागीदारी भी शामिल है, जो कि रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में पहली बार छत्तीसगढ़ में आयोजित 'आर्मी को जानिए' कार्यक्रम का हिस्सा बनी। इतिहास में पहली बार मुख्यालय- कोसा की पहल के तहत, बस्तर की आदिवासी महिलाएं 15 दिसंबर 2024 को भारतीय सेना प्रमुख के निवास पर 'विजय दिवस' समारोह में 'एट होम' कार्यक्रम में भाग लेंगी। इस कार्यक्रम में भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, तीनों सेनाओं के प्रमुख और कई विदेशी गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे। छत्तीसगढ़ हर्बल्स को इस आयोजन में एक गौरवपूर्ण स्थान मिला है, जिसमें उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए एक स्टॉल लगाया जाएगा। छत्तीसगढ़ हर्बल्स के वाइल्ड फॉरेस्ट हनी, कोदो कुकीज और वंजा एनर्जी बार को कार्यक्रम के अतिथियों को भेंट देने के लिए चुना गया है।

छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधिमंडल, जिसमें भा.प्र.सं. रायपुर के पीएमयू प्रमुख श्री हर्ष चतुर्वेदी और वैन धन विकास केंद्र, बकावंड, जगदलपुर की सुश्री बेला बाली मौर्य शामिल हैं, छत्तीसगढ़ हर्बल्स की सफलता की कहानी को प्रस्तुत करेंगे, जिसमें छत्तीसगढ़ की आदिवासी महिलाओं की वित्तीय और सामाजिक स्वतंत्रता की उपलब्धियां होंगी। छत्तीसगढ़ हर्बल्स के उत्पाद वनों से एकत्रित लघु वनोपज से बनाए जाते हैं, जिन्हें छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जाता है। प्रधानमंत्री वैन धन योजना के तहत, 17,000 से अधिक महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) सदस्य विभिन्न उत्पाद जैसे आयुर्वेदिक दवाइयां, जूस, कैंडी, वाइल्ड फॉरेस्ट हनी, बस्तर काजू, कुकीज, महुआ आधारित एनर्जी बार आदि का निर्माण करती हैं। ये उत्पाद छत्तीसगढ़ हर्बल्स के रूप में भा.प्र.सं. रायपुर और सीजीएमएफपी फेडरेशन के प्रबंधन इकाई के मार्गदर्शन में तैयार और विपणन किए जाते हैं। छत्तीसगढ़ हर्बल्स के उत्पादों को उपभोक्ताओं से प्रोत्साहनपूर्ण स्वीकृति मिली है, जो पिछले चार वर्षों में 600त्न की वृद्धि में परिलक्षित होता है। छत्तीसगढ़ हर्बल्स तेजी से भारत का पहला लघु वनोपज आधारित एफएमसीजी ब्रांड बनने की दिशा में अग्रसर है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड दन्तेवाड़ा

(फोन/ फैक्स नं.-07856-252362, ई-मेल - eedan-phe-cg@nic.in)

निविदा सू.क्रं./51/ले.शी./का.अ./लो.स्वा.यां./2024 दन्तेवाड़ा, दिनॉक : 03/12/2024

// निविदा आमंत्रण सूचना //

एकीकृत पंजीयन व्यवस्था प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र आईटम दर पर निम्नलिखित कार्य हेतु (Online) निविदा आमंत्रित की गयी है।

कार्य का नाम :- Empanelment of the Third Party Inspection Agencies (TPIs) under Jal Jeevan Mission work

क्रं.	सिस्टम टेण्डर क्रमॉक	कार्य का विवरण/ ग्राम / विकासखण्ड	निविदा आमंत्रण	अनुमानित लागत (करोड़ में)
1	162395	The submission of proposal by a consultant/ organization/ agency as Third Party Inspection Agencies (TPIs) for inspection of different works under rural water supply which includes in- village infrastructure works in :- (1) Retrofitting of 53 Villages, (2) New single village schemes in 172 Villages (3) Solar based schemes as a part of SVS or Retrofitting schemes. It implies that consultant/organization/agency has read the detailed EoI	द्वितीय काल	113.33
		कुल योग		113.33

निविदा की सामान्य शर्तें एवं अन्य जानकारी वेबसाईट पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in पर दर्शित है।

टीप :- निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनॉक 23.12.2024 है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
दन्तेवाड़ा

G-242504400/6

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, सोमवार 09 दिसम्बर 2024

जिले में कई स्थानों में अवैध धान पर कार्रवाई

रायपुर (विसं)। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर जिले में अवैध धान पर कार्रवाई निरंतर जारी है। ग्राम बरबन्दा में अवैध धान पर कार्रवाई की गई है। 25 क्विंटल अवैध धान के साथ जितेंद्र पटेल के पास से मिला है। जिसकी कीमत 57, 500 रुपए है। इसी तरह ग्राम पथरी में कुन्ज बिहारी वर्मा के पास से 25 क्विंटल अवैध धान मिला। जिसकी कीमत 57500 है। साथ ही, ग्राम गोड़ी में धान 20 क्विंटल अवैध जब्त किया है। जिसकी कीमत 46000 रुपए है।

संक्षिप्त समाचार

रावतपुरा कॉलोनी फेस वन के बच्चों द्वारा वृद्धाश्रम में गर्म कपड़ों का दान किया

रायपुर (विश्व परिवार)। दान करना बहुत ही पुण्य का काम माना जाता है। दान एक सर्वोच्च गुण है और वह महान माध्यम है जिसके माध्यम से ईश्वर की दया मानव जाति तक पहुंचती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए सी.एस.के. स्कूल रावतपुरा कॉलोनी फेस वन के बच्चों द्वारा माना कैंप स्थित वृद्धाश्रम में शनिवार को स्कूल के बच्चों द्वारा गर्म कपड़ों का दान किया गया। इसमें स्कूल के अभिभावकों और शिक्षिकाओं ने गर्म कपड़े दान कर अपनी अहम भूमिका निभाई। क्लास पी पी 2के बच्चों केव्यांश, रुद्रांश, वीरेंद्र, तीक्षा द्वारा गर्म कपड़ों का दान किया गया।

वर्धा में मनोहर गौशाला में बनने वाले उत्पादों पर प्रेजेंटेशन देंगे अखिल

रायपुर (विश्व परिवार)। महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगीकरण संस्थान (एमगिरी) वर्धा के जैव प्रसंस्करण एवं जड़ी बूटी विभाग द्वारा 17 से 18 दिसंबर को पंचगव्य आधारित उत्पादों का विपणन: चुनौतियां, समाधान एवं अवसर पर' विषय पर राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला और विचार-मंथन सत्र का आयोजन किया गया है। इस कार्यशाला में मनोहर गौशाला के ट्रस्ट्री डॉ. अखिल जैन (पदम डाकलिया) को आमंत्रित किया गया है। डॉ. जैन इस कार्यशाला में 15 मिनट तक प्रेजेंटेशन देंगे। इसमें वे मनोहर गौशाला में बनने वाले पंचगव्य उत्पादों को बाजार की मुख्यधारा में लाने के लिए क्या करना चाहिये, डोमेस्टिक और ग्लोबल मार्केटिंग में कौन कैसे सपोर्ट कर सकते हैं, मार्केटिंग चेन कैसे खड़ी की जा सकती है सहित प्रोडक्ट्स की जानकारी आदि प्रेजेंटेशन के माध्यम से देंगे। बता दें कि इस कार्यशाला में पंचगव्य उत्पाद बनाने वाली देशभर की प्रमुख गोशालाओं के प्रतिनिधि और कुछ नए उद्यमी; भारतीय प्रबंधन संस्थान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान एवं अनुसंधान संस्थानों के विशेषज्ञ वैज्ञानिक और बड़े औद्योगिक इकाइयों के मार्केटिंग संबंधी विशेषज्ञ एवं ऑनलाइन मार्केटिंग के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है।

जनजातीय समाज के विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध : विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री साय छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के शपथ ग्रहण समारोह में हुए शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित कृषक सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के नवनिर्वाचित प्रबंधकारिणी समिति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज के विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। आदिवासी समाज को आगे बढ़ने के लिए सभी संसाधन उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के शपथ ग्रहण समारोह में शपथ ले रहे सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज एक समृद्ध संगठन है। इस संगठन के सभी सदस्यों का लंबा अनुभव रहा है। मुझे विश्वास है कि आदिवासी समाज के प्रतिनिधि के रूप में वे अपनी जिम्मेदारी को बहुत कुशलता से निभाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज जनजातीय समाज के विकास के लिए बहुत अच्छा वातावरण है। छत्तीसगढ़ सरकार के साथ-साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जनजातीय समाज के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है। दोनों सरकारें जनजातीय समाज की चिंता करती हैं। आज हम पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी को याद करते हैं जिन्होंने आदिवासियों के उत्थान के लिए छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया। जब मैं सांसद था तब उन्होंने आदिम जाति कल्याण मंत्रालय का गठन किया था। आज भारत के राष्ट्रपति पद पर आदिवासी समाज की महिला सुशोभित हैं और छत्तीसगढ़ में भी आदिवासी का बेटा मुख्यमंत्री है। यह बहुत गौरव की बात है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जनजातीय समाज के विकास के लिए लगातार काम हो रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की शुरुआत विगत 2 अक्टूबर को की है। इस अभियान का लाभ 5 करोड़ जनजातीय लोगों को मिलेगा। इसमें छत्तीसगढ़ के कई गांव शामिल हैं। इन गांवों में सड़क, बिजली और पानी सहित सभी बुनियादी सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विशेष पिछड़ी जनजातियां हैं जिनके विकास के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना के तहत इन समूहों के लिए बुनियादी सुविधाएं और सेवाएं पहुंचाई जाती हैं। आज जहां-जहां विशेष पिछड़ी जनजातियों की बसाहट है वहां सड़क, बिजली, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड सहित सभी सुविधाएं मिल रही हैं। छत्तीसगढ़ में अब नई शिक्षा नीति भी लागू है। यह नीति रोजगारपरक है। इससे हमारे बच्चे पढ़कर रोजगार पाने के लिए सक्षम होंगे। आदिवासी बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिले इसलिए छत्तीसगढ़ में प्रयास संस्था बहुत अच्छा काम कर रही है। हमने देश की राजधानी नई दिल्ली में यूपीएससी की तैयारी कर रहे आदिवासी समाज के बच्चों के लिए ट्राइबल यूथ होस्टल की सीटों को बढ़ाकर 200 कर दिया है। हम राजधानी रायपुर की तरह पूरे प्रदेश में नालंदा परिसर बनाने जा रहे हैं। प्रदेश के 22 जिलों में नालंदा परिसर बनाने की स्वीकृति दे दी गई है। इससे छत्तीसगढ़ के सभी इलाकों के बच्चे अपने जिले में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर पाएंगे। जनजातीय समाज की बेहतरी के लिए सरगुजा विकास प्राधिकरण और बस्तर विकास प्राधिकरण कार्य कर रहे हैं।

'वचन डेयरी पार्लर' के भव्य उद्घाटन के साथ एक नई उपलब्धि का किया स्वागत

यह आधुनिक डेयरी पार्लर, सारडा ग्रुप की गुणवत्ता और पोषण के प्रति प्रतिबद्धता को साकार करता है

रायपुर (विश्व परिवार)। आज पंडरी क्षेत्र में वचन डेयरी पार्लर के भव्य उद्घाटन के साथ एक नई उपलब्धि का स्वागत किया. यह आधुनिक डेयरी पार्लर, सारडा ग्रुप की गुणवत्ता और पोषण के प्रति प्रतिबद्धता को साकार करता है, जो ग्राहकों को ताजा और उच्च गुणवत्ता वाले डेयरी उत्पाद प्रदान करेगा।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कमल किशोर सारडा, सारडा ग्रुप के चेयरमैन, उपस्थित रहे. उनके साथ महेंद्र कुमार धारीवाल, वम्मा ग्रुप के मालिक ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति से इस आयोजन को विशेष बनाया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कमल किशोर सारडा ने कहा कि यह पार्लर सिर्फ एक व्यावसायिक पहल नहीं, बल्कि हमारे गुणवत्ता और विश्वास के प्रति समर्पण का प्रतीक है. हमारा उद्देश्य ताजा, पौष्टिक और विविधतापूर्ण डेयरी उत्पादों को ग्राहकों के करीब लाना है।

इस अवसर पर सारडा ग्रुप के अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे:

पंकज सारडा, संयुक्त प्रबंध निदेशक, विपुला सारडा, निदेशक, वेंकट राम, निदेशक, जी.के. छंगानी, निदेशक, सी.एच. विश्वनाथ, निदेशक, वचन डेयरी पार्लर में दूध, दही, पनीर, मक्खन, घी, फ्लेवर्ड मिल्क सहित वचन के विशेष उत्पाद जैसे रबड़ी और श्रीखंड भी उपलब्ध होंगे, जो स्थानीय स्वाद को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं।

उद्घाटन समारोह में स्थानीय समुदाय ने बड़ी संख्या में भाग लिया और वचन के उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला का प्रत्यक्ष अनुभव किया. लाइव उत्पाद प्रदर्शन और विशेष उद्घाटन ऑफर ने इस अवसर को और भी खास बना दिया।

सारडा ग्रुप भविष्य में वचन डेयरी पार्लर की श्रृंखला को और विस्तारित करने की योजना बना रहा है, जिससे ग्राहकों को स्वास्थ्य, स्थिरता और फार्म-टू-टेबल अनुभव प्रदान किया जा सके।

श्री हरीश दुहन एसईसीएल के नए सीएमडी हेतु अनुशंसित

बिलासपुर (विश्व परिवार)। लोक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी), भारत सरकार द्वारा एसईसीएल के नये चेयरमेन कम मैनेजिंग डायरेक्टर (सीएमडी) हेतु श्री हरीश दुहन के नाम की अनुशंसा की गयी है। श्री दुहन वर्तमान में कोलइण्डिया की अनुषंगी कम्पनी सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड में निदेशक तकनीकी के पद पर कार्यरत हैं। श्री दुहन को माईनिंग क्षेत्र में 34 वर्षों से अधिक का समृद्ध अनुभव है जिसमें फर्स्ट माईल कनेक्टिविटी परियोजनाओं के कार्यान्वयन, डिजिटाईजेशन तथा सौर परियोजनाओं के विकास का अनुभव शामिल है। श्री दुहन ने नागपुर विश्वविद्यालय से माईनिंग में स्नातक उपाधि अर्जित की तथा उन्होंने वर्ष 1989 में वेस्टर्न कोलफील्ड्स से कोलइण्डिया में अपनी सेवा की शुरूआत की। उन्होंने फर्स्ट क्लास माईन मैनेजर सर्टिफिकेट तथा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा की उपाधि भी अर्जित की है। श्री दुहन कोलइण्डिया की अनुषंगी कम्पनी नार्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के निगाही परियोजना के एरिया जनरल मैनेजर तथा कारपोरेट प्रोजेक्ट प्लानिंग विभाग के महाप्रबंधक के रूप में भी अपनी सेवाएँ दे चुके हैं। श्री दुहन के एसईसीएल के सीएमडी के पद पर चयनित होने पर एसईसीएल शीर्ष प्रबंधन सहित अधिकारियों-कर्मचारियों ने बधाई दी है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे पर्यावरण संरक्षण एवं ईंधन की बचत की ओर अग्रसर.....

ट्रेनों के कोचों में वातानुकूलन और प्रकाश व्यवस्था में हेड ऑन जनरेशन (होटल लोड कन्वर्टर) का उपयोग

रायपुर (विश्व परिवार)। ट्रेनों के पारंपरिक कोचों में पहले विद्युत ऊर्जा का उत्पादन डाइनो ड्राइव/अल्टरनेटर की मदद से किया जाता था, जो कोचों के एक्सल से यांत्रिक रूप से जुड़े होते थे। विद्युत ऊर्जा ट्रेन की गति से उत्पन्न की जाती थी। उत्पन्न विद्युत ऊर्जा को कोचों के नीचे लगाए गए भारी बैटरी सेटों में संग्रहीत किया जाता था। ये बैटरियां ट्रेन के रुकने पर कोच को विद्युत ऊर्जा प्रदान करती थीं। यह प्रणाली हल्के विद्युत भार वाले कोचों के साथ काम कर सकती थी।

यात्रियों की सुविधाओं की बढ़ती मांग, जैसे वातानुकूलन प्रणाली और ऑन-बोर्ड पेंट्री कार सेवा वाले कोच, साथ ही गति क्षमता में वृद्धि ने एक प्रणाली को अपनाने पर जोर दिया जिसे एंड-ऑन जनरेशन प्रणाली कहा जाता है। एंड-ऑन जनरेशन प्रणाली में ट्रेन के दोनों सिरों पर एक कोच (पावर कार) प्रदान किया जाता है जिसमें 500 केवीए के दो डीजल जेनरेटर सेट लगे होते हैं। ये डीजी सेट विद्युत ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए डीजल ईंधन का उपयोग करते हैं, जिससे 3-फेज 750 वोल्ट का उत्पादन होता है। इस ऊर्जा का उपयोग कोचों में विद्युत उपकरणों के संचालन के लिए किया जाता है। डीजल तेल की खपत बहुत अधिक होती थी और यह बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड उत्पन्न करता था, जो पर्यावरण के अनुकूल नहीं था। एक लंबी दूरी की ट्रेन (22 कोचों की संरचना) के लिए औसत ईंधन खपत लगभग 100 लीटर प्रति घंटा थी। इससे ट्रेन और स्टेशनों दोनों पर ध्वनि प्रदूषण भी होता था।

भारतीय रेलवे के विद्युतीकरण में वृद्धि ने बिना ट्रैक्शन बदले एक ट्रेन को दो गंतव्यों के बीच चलाने में मदद की है। विद्युत लोकोमोटिव के संचालन के लिए नई अत्याधुनिक 3-फेज तकनीक की शुरुआत ने हेड-ऑन जनरेशन प्रणाली (होटल लोड कन्वर्टर) के विकास का मार्ग प्रशस्त किया।

हेड-ऑन जनरेशन (एचओजी) प्रणाली इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव में प्रदान की जाती है जिसमें 500 किलोवॉट के दो होटल लोड कन्वर्टर होते हैं, जो 25 किलोवॉट एसी को 3-फेज 750 वोल्ट में परिवर्तित करते हैं। 3-फेज 750 वोल्ट की विद्युत आपूर्ति इंटर व्हीकल कपलर की मदद से ट्रेन में प्रदान की जाती है, ताकि कोचों में विद्युत उपकरणों का संचालन हो सके।

हेड-ऑन जनरेशन प्रणाली पर्यावरण के अनुकूल है क्योंकि यह कोचों के सिरों पर लगाए गए डीजल जेनरेटर सेट चलाने के लिए डीजल ईंधन के उपयोग को कम करती है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन में 22 ट्रेनें थीं, जो पहले एंड-ऑन जनरेशन/सेल्फ-जनरेशन प्रणाली पर चलती थीं। अब ये सभी ट्रेनें हेड-ऑन जनरेशन प्रणाली पर संचालित की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे होकर से गुजरने वाली अनेक ट्रेनें भी हेड ऑन जनरेशन सुविधा से लैस हैं।

स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायगढ़ में पीजी के दो नये कोर्स को शासन ने दी मंजूरी

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णदेव साय राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार और युवाओं के लिए राज्य में ही मेडिकल शिक्षा की सुविधा को लेकर काफी संवेदनशील है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर चिकित्सा शिक्षा विभाग ने स्व. श्री लखीराम मेमोरियल शासकीय मेडिकल कॉलेज रायगढ़ में पीजी के 02 नये कोर्स प्रसुति एवं स्त्रीरोग विभाग हेतु 04 सीट एवं चर्मरोग विभाग हेतु 04 सीट की मंजूरी दी है। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि राज्य शासन के द्वारा नए पाठ्यक्रमों को मंजूरी दिए जाने पर सीटों में वृद्धि से मेडिकल के छात्रों को लाभ मिलेगा। राज्य में ही पीजी पाठ्यक्रम में प्रवेश की संभावना बढ़ने से छात्रों को राज्य में ही उच्च शिक्षा प्राप्त करने का मौका मिलेगा। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन की तरफ से स्व. लखीराम अग्रवाल मेमोरियल शासकीय मेडिकल कॉलेज रायगढ़ में पीजी के 02 नए पाठ्यक्रमों को शुरू करने की मंजूरी दी गयी है।

पॉवर कंपनीज़ बैडमिंटन स्पर्धा का फाइनल जीता रायपुर रीजन ने

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज की अंतरक्षेत्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में रायपुर रीजन विजेता रहा। टीम इवेंट में कोरबा वेस्ट की क्षेत्र उपविजेता रही। पुरस्कार वितरण समारोह कल 9 दिसंबर को कंचना स्थित निजी कोर्ट में होगा, जिसमें प्रबंध निदेशक गण विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

पॉवर कंपनीज की क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वाधान से आयोजित अंतर क्षेत्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में प्रदेशभर की 10 टीम हिस्सा ले रही हैं। क्षेत्रीय क्रीड़ा सचिव श्री विनय चंद्राकर ने बताया कि आज टीम इवेंट के प्रतियोगिता में रायपुर रीजन एवं कोरबा वेस्ट के बीच फाइनल मुकाबला हुआ। रायपुर की टीम ने 12 वर्षों की चैंपियन कोरबा वेस्ट की टीम 03-02 से पराजित किया।

विजेता टीम के खिलाड़ी योहन नायक, राजेश ठाकुर, दिलेश्वर ठाकुर, के गिरीश व नवीन इक्का ने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। कोरबा वेस्ट के खिलाड़ी अविनेष पाठक, सीमांत मिंज, एम जोशी, नरेंद्र उइके एवं गौरव गुप्ता ने कांटे की टक्कर दी।

कल सोमवार को महिला एकल में झरना लता साहू व संध्या रानी के बीच फाइनल मुकाबला होगा।

महिला युगल का फाइनल कोरबा पूर्व और रायपुर सेंट्रल के बीच होगा। पुरूष युगल का मुकाबला रायपुर सेंट्रल व बिलासपुर क्षेत्र की टीम के बीच कल खेला जाएगा।

अग्निवीर भर्ती रैली : युवाओं ने दिखाया जोश 1036 में से 367 ने की दौड़ पास

रायगढ़ (आरएनएस)। रायगढ़ के बोईरदादर स्टेडियम में आगामी 12 दिसंबर तक चलने वाली अग्निवीर भर्ती रैली में युवा पूरे जोश के साथ शामिल हो रहे है। प्रदेश भर के लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की जिलेवार बनाई गई रोस्टर अनुसार युवा शारीरिक दक्षता हेतु अपनी ताकत झोंकते दिखाई दे रहे है। अग्निवीर भर्ती रैली के चौथे दिन 7 दिसंबर को छत्तीसगढ़ के 9 जिले कोरिया, दंतेवाड़ा, मोहला मानपुर-अंबागढ़, बस्तर, बलरामपुर, दुर्ग, महासमुंद, बेमेतरा और गौरेला पेंड्रा मरवाही के युवाओं ने अपनी शारीरिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस भर्ती रैली में कुल 1036 उम्मीदवारों ने हिस्सा लिया, जिसमें से 367 युवाओं ने दौड़ में सफलता प्राप्त की।

यूपीआई और ओपन बैंकिंग से भारत में ऋण की अधिक पहुंच

मुख्य बातें-

वित्तीय समावेशन में यूपीआई की अभूतपूर्व भूमिका- यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की 2016 झङ्कमें शुरूआत होने के बाद से, इसने भारत में वित्तीय सेवाओं को हासिल करना पूरी तरह बदल दिया है, जिससे 300 मिलियन व्यक्ति और 50 मिलियन व्यापारी निर्बाध डिजिटल लेनदेन करने में सक्षम हुए हैं। अक्टूबर 2023 तक, भारत में सभी खुदरा डिजिटल भुगतानों में से 75 प्रतिशत यूपीआई के माध्यम से हुए।

सीमांत उधारकर्ताओं को सशक्त बनाना- यूपीआई ने सेवाओं तक सीमित पहुंच वाली आबादी, जिनमें समय पर ऋण नहीं चुकाने वालों के लिए ऋण की व्यवस्था और ऐसे व्यक्ति जिनका ऋण का पिछला कोई इतिहास नहीं रहा और उन्होंने पहली बार ऋण लिया है, उनकी यूपीआई अपनाने वाले क्षेत्रों में पहली बार औपचारिक ऋण तक पहुंच बनाई है।

नए ऋण लेने वालों को दिए गए ऋण में 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, तथा समय पर ऋण नहीं चुकाने वालों को दिए गए ऋण में 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

फिनटेक ऋण का औसत आकार 27,778 रुपए था- जो ग्रामीण मासिक व्यय का लगभग 7 गुना था।

फिनटेक ऋणदाताओं ने तेजी से अपना विस्तार किया, अपने ऋण की मात्रा में 77 गुना वृद्धि की, छोटे, वंचित उधारकर्ताओं को ऋण देने में पारंपरिक बैंकों से कहीं आगे निकल गए।

उत्प्रेरक के रूप में किफायती इंटरनेट- डिजिटल प्रौद्योगिकी पर खर्च करने की सामर्थ्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में यूपीआई को व्यापक रूप से अपनाया जा सका।

यूपीआई के माध्यम से ऋण वृद्धि- यूपीआई लेनदेन में 10 प्रतिशत की वृद्धि से ऋण उपलब्धता में 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो दर्शाता है कि कैसे डिजिटल वित्तीय इतिहास ने ऋणदाताओं को उधारकर्ताओं का बेहतर मूल्यांकन करने में सक्षम बनाया।

2015 और 2019 के बीच, ऋण नहीं चुकाने वाले उधारकर्ताओं को दिए गए फिनटेक ऋण बैंकों के बराबर हो गए, और फिनटेक उच्च यूपीआई-उपयोग वाले क्षेत्रों में फल-फूल रहे हैं।

ऋण का सुरक्षित विस्तार- ऋण वृद्धि के बावजूद, डिफ़ॉल्ट दरें नहीं बढ़ीं, जिससे पता चलता है कि यूपीआई-सक्षम डिजिटल लेनदेन डेटा ने उधारदाताओं को जिम्मेदारी से विस्तार करने में मदद की।

वैश्विक प्रभाव- यूपीआई के साथ भारत की सफलता अन्य देशों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल प्रस्तुत करती है, जो दर्शाती है कि कैसे सार्वजनिक डिजिटल बुनियादी ढांचे को ओपन बैंकिंग नीतियों के साथ जोड़कर मुख्य वित्तीय सेवाओं तक लोगों की पहुंच नहीं होने की स्थिति में सुधार किया जा सकता है, नवाचार और समान आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया जा सकता है।

4 नए केंद्रीय स्कूलों की मंजूरी पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किया मोदी सरकार का धन्यवाद

रायपुर (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा छत्तीसगढ़ के मुंगेली, सूरजपुर, बेमेतरा व जांजगीर-चांपा जिले में 4 नए केंद्रीय स्कूल खोलने की स्वीकृति देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उनके नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि केंद्र सरकार के इस निर्णय से राज्य के विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा व बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा। श्री देव ने कहा कि केंद्र सरकार शैक्षणिक विकास की अपनी प्रतिबद्धता को लेकर गंभीर है और इस दृष्टि से अनेक क्रांतिकारी निर्णय भी लिए गए हैं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354